रांची, बुधवार, 14 जनवरी 2026

संवत 2082, माघ कृष्णपक्ष 10 मूल्य-2 रुपये

वर्ष-9, अंक 124, पृष्ट-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

4 ▶▶ अमीरी दे गरीब को त्रास

बॉडर 2 : 96 मिलियन व्यूज... रिलीज से पहले सनी देओल का धमका ◀◀ 6

लापता अंश- अंशिका रामगढ़ से सकुशल बरामद, दो अपहरणकर्ता गिरफ्तार, मुख्यमंत्री ने पुलिस को दी बधाई

मेट्रो रेज

रांचीः राजधानी रांची के धुर्वा थाना क्षेत्र अंतर्गत मौसीबाड़ी मल्लार कोचा से लापता हुए मासूम भाई-बहन सात वर्षीय अंश कुमार और छह वर्षीय अंशिका कुमारी को आखिरकार सुरक्षित बरामद कर लिया गया है।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि दोनों बच्चों को रामगढ़ जिले के चितरपुर थाना क्षेत्र स्थित पहाड़ी मंदिर इलाके से बरामद किया गया है। बच्चों के मिलने की सूचना सबसे पहले उनके माता-पिता को दी गई, जिसके बाद परिजनों ने राहत की सांस ली। बरामदगी के दौरान मौके से एक पुरुष और एक महिला को हिरासत में लिया गया है। दोनों को बच्चों के साथ रामगढ़ एसपी कार्यालय लाया गया, जहां उनसे पूछताछ की गई। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि बच्चों को किस उद्देश्य से वहां रखा गया था और इस पूरे मामले के पीछे कौन-कौन लोग शामिल हैं। बच्चों की बरामदगी में अहम भूमिका निभाने वाले डब्ल्यू साव और सचिन ने बताया कि उन्हें सूचना मिली थी कि बच्चे गुलगुलिया (बंजारा) परिवार के पास हैं। सूचना की पुष्टि के लिए उन्होंने बच्चों की तस्वीरें उनके माता-पिता को दिखाईं। तस्वीरों की पहचान होने के बाद उन्होंने तुरंत रजरप्पा पुलिस को जानकारी दी। सूचना मिलते ही रजरप्पा पुलिस मौके पर पहुंची और बच्चों को सुरक्षित बरामद कर लिया।

ज्ञातव्य है कि दो जनवरी को अंश कुमार अपनी बहन अंशिका के साथ घर से दुकान जाने के दौरान लापता हो गए थे। घटना के बाद से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल था । यह मामला पुलिस के लिए भी बड़ी चुनौती बन गया था। बच्चों की तलाश में रांची पुलिस लगातार छापेमारी कर रही थी। वहीं मामले की गंभीरता को देखते हुए पहले बच्चों की जानकारी देने वाले के लिए 51 हजार रुपये के इनाम की घोषणा की गई थी, जिसे बाद में बढ़ाकर 2 लाख रुपये कर दिया गया। पुलिस ने बच्चों की तस्वीर के साथ पोस्टर जारी कर आम जनता से सहयोग की अपील भी की थी।

खिले बच्चों के चेहरे, छाया खुशियों का माहौल

रांची : रामगढ़ के चितरपुर स्थित अहमद नगर से सकुशल दोनों बच्चों के बरामद होने के बाद से हर ओर खुशियों का माहौल है। गुलगुलिया सूर्या और सोनम की चंगुल से सुरक्षित पुलिस के पास पहुंचने पर दोनों बच्चों के चेहरे पर खुशियां लौटी। यह अंदाजा आप फोटो देखकर समझ सकते है। रामगढ़ एसपी अजय कुमार और ग्रामीण एसपी प्रवीण पुष्कर के सामने बैठकर मैगी का लुफ्त उठाने लगे तो दोनों बच्चे थोड़ा खुले। हालांकि, उनलोगों ने बच्चों से कहानी समझने का प्रयास किया, लेकिन बच्चे कई चीजें स्पष्ट नहीं कर सकें। इधर, आरोपी दंपती से पुलिस सख्ती से पूछताछ कर रही है, ताकि पूरी कहानी का खुलासा हो सकें।

बड़े नेटवर्क का किया जाएगा पदार्फाश : डीजीपी

रांचीः राजधानी रांची में पिछले 13 दिनों से चल रहा तनाव और डर का माहौल आखिरकार खत्म हुआ। सीआईडी एडीजी सह रांची जोनल आईजी मनोज कौशिक के मॉनिटरिंग में और एसएसपी राकेश रंजन के नेतृत्व में रांची पुलिस की विशेष टीम ने धुर्वा थाना क्षेत्र से लापता हुए दो मासूम बच्चों, अंश और अंशिका को बुधवार सुबह रामगढ़ जिले के चितरपुर से सकुशल बरामद कर लिया है। पुलिस ने इस मामले में अपहरण में शामिल दो आरोपियों को भी दबोचा है, जो बिहार के औरंगाबाद के रहने वाले हैं। इन बच्चों का सुराग देने वालों के लिए पुलिस ने दो लाख रुपये के इनाम की घोषणा की थी।

डीजीपी ने कहा बड़े नेटवर्क का किया जाएगा पदार्फाश : झारखंड पुलिस मुख्यालय में डीजीपी तदाशा मिश्रा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए सफल टीम को बधाई दी। उन्होंने घोषणा की कि इस कठिन मिशन में शामिल सभी पुलिस अधिकारियों और कर्मियों को उनकी तत्परता और साहस के लिए पुरस्कृत (रिवॉर्ड) किया जाएगा। उन्होंने आगे कहा कि यह केवल एक अपहरण नहीं, बल्कि मानव तस्करी का एक अंतरराज्यीय सिंडिकेट है। इसमें कई और चेहरे शामिल हो सकते हैं। पुलिस की जांच अभी जारी है और जल्द ही पूरे नेटवर्क का पदार्फाश किया जाएगा।

एसएसपी राकेश रंजन के नेतृत्व और सीआईडी एडीजी मनोज कौशिक की विशेष मॉनिटरिंग में पुलिस की टीम ने इस रेस्क्यू ऑपरेशन को अंजाम दिया। बच्चों की बरामदगी के बाद पुलिस मुख्यालय में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में डीजीपी ने खुशी जाहिर की। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान बच्चों के माता-पिता भी मौजूद थे। अपने बच्चों को 13 दिनों के बाद सुरक्षित वापस पाकर उनकी आंखों में आंसू छलक आए। उन्होंने पुलिस प्रशासन और सहयोग करने वाले सभी लोगों का आभार व्यक्त किया। पुलिस अब गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ कर रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि इस सिंडिकेट के तार और कहां-कहां जुड़े हैं। आने वाले दिनों में इस मामले में कई और बड़े खुलासे होने की उम्मीद है।

मुख्यमंत्री ने रांची पुलिस की थपथपाई पीठ, कहा-

लापता बच्चों को ढूंढने के बाद भी जारी रहेगा ऑपरेशन

रांचीः मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने रांची पुलिस की प्रशंसा की है। कहा कि अपहरणकर्ताओं के चंगुल से आजाद हुईं दो मासूम जिंदगियां। आखिर कोई इतना कैसे गिर सकता है? व्यक्तिगत रूप से मेरे लिए पिछले कुछ दिन काफी परेशान करने वाले रहे।

शुरूआत में सफलता नहीं मिल रही थी। लेकिन फिर जिस ढंग से दूसरे राज्य में हुई इसी ढंग की घटना के तार जोड़ रांची पुलिस ने अपराधियों तक पहुंच कर बच्चों को मुक्त करवाया है, वह प्रशंसनीय है।

सीएम ने कहा कि हम इस जांच अभियान को यहीं नहीं छोड़ने जा रहे हैं। आगे भी राज्य और इससे बाहर घटित हुई घटनाओं का गहन पड़ताल करते हुए अपराधी गिरोह की कमर तोड़ने की कार्रवाई जारी रहेगी। रांची पुलिस के साथ झारखंड पुलिस की टीम को तत्परता और कार्यकुशलता के लिए बहुत-बहुत बधाई। हमारे बच्चों अंश और अंशिका के परिवार को हार्दिक शुभकामनाएं।

डीजीपी ने की पुलिस टीम की सराहना

रांचीः डीजीपी तदाशा मिश्रा ने पुलिस टीम को धन्यवाद किया। उन्होंने एडीजी मनोज कौशिक के नेतृत्व में रांची एसपी, सिटी एसपी, ट्रैफिक एसपी और रूरल एसपी के सहयोग से यह सफलता हासिल की है। सभी ने शानदार मेहनत की। रात-रात भर छापेमारी की। पूरे देश में, जहां भी अंश अंशिका के होने की आशंका थी, सभी जगह यह टीम पहुंची। बच्चों का पोस्टर हर जगह लगाए गए।

विवाहिता की संदेहास्पद स्थिति में मौत, गले पर हैं गहरे निशान

गिरिडीहः जिले में तिसरी थाना क्षेत्र के पनियाय गांव में विवाहिता सूरजमुनी की संदेहास्पद स्थिति में मौत हो गई। इस मामले में जहां मृतका के पिता अपने दामाद और ससुराल वालों पर बेटी की हत्या करने का आरोप लगा रहे हैं। वहीं मृतका के ससुराल वाले जहर खाकर आत्महत्या करने की बात कह रहे हैं। फिलहाल पुलिस ने पिता के आरोप के आधार पर अशोक मुर्मू को हिरासत में लेकर मामले की जांच कर रही है। मृतका सूरजमुनी के पिता अरुण मरांडी ने उसके पति अशोक मुर्मू समेत ससुराल पर हत्या का आरोप लगाते हुए कहा कि उनकी बेटी के गले में गहरे दाग है जिससे जाहिर होता है कि बेटी कि हत्या की गई है। बताया कि मृतका की शादी छह माह पहले अशोक से हुई थी। पति से विवाद के बाद मृतका सोहराय मनाने घर आई थी, लेकिन पति लेने आया, तो मायके में भी पति -पत्नी में विवाद हुआ, इस दौरान पिता ने बेटी को समझा कर दामाद के साथ सोमवार को वापस ससुराल भेज दिया था, लेकिन मंगलवार कि सुबह सूरजमुनि की मौत की खबर मिली। इधर ससुराल वालों ने कहा कि सूरजमुनि ने जहर खा कर आत्महत्या की। सुबह उसके शव घर में पड़ा देख हल्ला हुआ, आसपास के लोग जुटे, इस दौरान उसे तिसरी के स्वास्थ्य केन्द्र ले जाया गया जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया।

मकर संक्रांति पर अयोध्या-हरिद्वार व अन्य धार्मिक स्थानों पर उमड़ा आस्था का सैलाब, पवित्र नदियों में किया स्नान

नई दिल्ली : मकर संक्रांति का पर्व देशभर में आस्था और उल्लास के साथ मनाया जा रहा है। सूर्य के मकर राशि में प्रवेश के साथ ही यह पर्व पुण्य, परंपरा और आध्यात्मिक चेतना का संदेश देता है। इस मौके पर अयोध्या, प्रयागराज और ऋषिकेश जैसे प्रमुख धार्मिक स्थलों पर श्रद्धालु नदियों में पवित्र स्नान कर रहे हैं।

प्रयागराज में चल रहे माघ मेले के बीच मकर संक्रांति पर पवित्र स्नान करने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु संगम पर उमड़ पड़े। संगम घाटों पर बुधवार सुबह बड़ी संख्या में श्रद्धालु आए और सभी उम्र के लोगों ने पवित्र डुबकी लगाई।

प्रयागराज में संगम घाट पर स्नान के बाद एक श्रद्धालु ने कहा, हम अयोध्या से आए हैं और हमने भी पवित्र स्नान किया। इंतजाम बहुत अच्छे हैं। सड़क की सुविधाएं अच्छी हैं और घाटों पर इंतजाम बहुत बढ़िया हैं। घाटों पर प्रशासन के इंतजाम बहुत कुशल और अच्छी तरह से मैनेज किए गए हैं। एक महिला ने कहा कि हम पिछले 10-12 सालों से प्रयागराज आ रहे हैं। हर बार एक महीने के लिए रुकते हैं। उन्होंने कहा कि यह इतनी महान और पवित्र जगह है कि इसे शब्दों में बयान नहीं किया जा सकता। एक अन्य श्रद्धालु ने कहा कि बहुत अच्छा अनुभव रहा है। मकर संक्रांति का दिन है और चारों तरफ बस खुशी ही खुशी है।

अयोध्या में सरयू के घाटों पर भी रौनक देखी गई। बड़ी संख्या में श्रद्धालु सरयू नदी के घाटों में पवित्र स्नान करने पहुंचे। कड़ाके की ठंड के बावजूद सुबह 4 बजे से श्रद्धालुओं का स्नान शुरू हो गया। स्नान के बाद श्रद्धालु हनुमानगढ़ी मंदिर और राम मंदिर में दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं।

पहली बार अयोध्या पहुंचे मध्य प्रदेश के अशोकनगर जिला निवासी एक श्रद्धालु ने कहा कि हमने पहले तीर्थ यात्रा की थी और उसका झंडा उठाया था। हमने इस बार यहां आने का फैसला किया। मिजार्पुर के निवासी एक युवक ने कहा कि मकर संक्रांति का त्योहार है। यहां की सरयू नदी को पवित्र माना जाता है। यहां आकर बहुत अच्छा लगा है। मकर संक्रांति के मौके पर उत्तराखंड के ऋषिकेश में भी हजारों श्रद्धालुओं ने त्रिवेणी घाट पर पवित्र स्नान किया। तीर्थयात्रियों ने पूजा-पाठ, प्रार्थना और दान-पुण्य किया।

समाचार सार

रामगढ़ में हाथी की मौत, आलू के खेत में मिला शव, जांच में जुटी वन विभाग की टीम

रामगढ़: जिले में मंगलवार को एक हाथी मृत पाया गया। वन विभाग के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि गोला पुलिस थाना क्षेत्र में रामगढ़-बोकारो राजमार्ग के किनारे चोदारू घाटी के पास आलू के खेत से हाथी का शव बरामद किया गया। वन परिक्षेत्र अधिकारी आर.के। सिंह ने कहा, वयस्क हाथी के शरीर के किसी भी हिस्से पर चोट के निशान नहीं मिले हैं। प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत होता है कि हाथी की मृत्यु किसी गंभीर बीमारी के कारण हुई होगी। अधिकारी ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का पता चल पायगा। उन्होंने कहा कि रामगढ़ जिले में 16 से 19 दिसंबर के बीच जंगली हाथियों द्वारा कुचले जाने से कम से कम छह लोगों की मौत हो चुकी है।

चार पुड़िया ब्राउन शुगर के साथ दो तस्कर गिरफ्तार, भेजे गए जेल

चतरा: सदर थाना पुलिस ने मंगलवार को चार पुड़िया 4 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार तस्करों में शहर के लाइन मोहल्ला निवासी संतोष साव का पुत्र सतीश कुमार उर्फ गोला तथा सदर थाना क्षेत्र में देवरिया गांव निवासी जन्मजय पांडेय का पुत्र धरम कुमार पांडेय का नाम शामिल है। बताया जाता है कि सदर थाना पुलिस को यह सूचना मिली थी कि कुछ ब्राउन शुगर तस्कर बाबा घाट मैदान के पास ब्राउन शुगर की खरीद बिक्री करने के लिए जमा हुए हैं। उक्त सूचना पर सदर थाना पुलिस की एक टीम ने बाबाघाट मैदान में छापेमारी अभियान चला कर उपरोक्त दोनों तस्करों को चार पुड़िया ब्राउन शुगर के साथ गिरफ्तार किया। गिरफ्तार दोनों तस्करों के विरुद्ध सदर थाना में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज करते हुए दोनों को जेल भेज दिया गया है। पहले भी ब्राउन मामले में जेल जा चुका है सतीशः ब्राउन के गिरफ्तार सतीश कुमार उर्फ गोला पेशेवर ब्राउन शुगर तस्कर है। वह इससे पहले भी ब्राउन शुगर के साथ पकड़ा गया था। पुलिस ने उसे पहले भी ब्राउन शुगर तस्करी मामले में गिरफ्तार कर जेल भेजा था। जेल से बाहर निकलने के बाद फिर से वह ब्राउन शुगर की तस्करी में शामिल हो गया था। पुलिस ने फिर से उसे गिरफ्तार कर जेल भेजा है।

बिहार के युवक की प्रतापपुर में सड़क हादसे में गई जान

चतरा: बिहार और झारखंड की सीमा से सटे प्रतापपुर थाना क्षेत्र के कौरा- राजपुर मुख्य मार्ग पर मंगलवार की शाम एक दर्दनाक सड़क हादसे ने एक परिवार की खुशियां उजाड़ दी। एक युवक, जो अपने ससुराल जा रहा था, रास्ते में ही काल का ग्रास बन गया।प्रतापपुर थाना क्षेत्र के कौराझराजपुर सड़क मार्ग पर मंगलवार की शाम करीब 5:53 बजे सन्नाटा तब चीख-पुकार में बदल गया, जब एक मोटरसाइकिल सवार इमली के पेड़ के पास अनियंत्रित होकर गिर पड़ा। मृतक की पहचान बिहार राज्य के सलैया थाना अंतर्गत शेवती गांव निवासी परवन भारती (28 वर्ष), पिता इतवारी भारती के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि परवन भारती अपने ससुराल, प्रतापपुर के सिद्धूकी गांव जा रहा था। ठंड की शाम थी और सड़क पर आवाजाही कम थी। तभी इमली के पेड़ के पास उसकी बाइक दुर्घटनाग्रस्त हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि युवक के चेहरे पर गंभीर चोटें आईं और काफी मात्रा में खून बह गया। स्थानीय निवासी नीतीश कुमार ने तुरंत इस घटना की सूचना प्रशासन को दी। सूचना मिलते ही प्रतापपुर चिकित्सा पदाधिकारी डॉक्टर संजीव कुमार ने संवेदनशीलता दिखाते हुए तत्काल एंबुलेंस को मौके पर रवाना किया। लेकिन किस्मत को कुछ और ही मंजूर था। जब तक एंबुलेंस और मदद मौके पर पहुँचती, अत्यधिक रक्तस्राव और ठंड के कारण परवन भारती ने दम तोड़ दिया। जैसे ही इस हादसे की खबर मृतक के परिजनों तक पहुँची, खुशियां मातम में बदल गईं। आनन-फानन में परिजन घटनास्थल पर पहुँचे। चूंकि युवक की मौत हो चुकी थी, इसलिए कानूनी प्रक्रिया और पोस्टमार्टम के झमेले से बचते हुए, परिजन शव को अपने साथ वापस बिहार ले गए। जिसके बाद घटनास्थल से एंबुलेंस को खाली हाथ वापस लौटना पड़ा। यह हादसा हमें एक बार फिर सावधान करता है कि सड़क पर सावधानी कितनी जरूरी है, खासकर ठंड के मौसम और शाम के वक्त। एक छोटी सी लापरवाही ने एक युवक की जान ले ली और एक घर का चिराग बुझ गया।

सीसीएल मुख्यालय स्थित डिस्पेंसरी में नए एचआईएमएस सिस्टम का उद्घाटन

रांची: सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड स्थित दरभंगा हाउस डिस्पेंसरी, राँची में हॉस्पिटल इंफॉर्मेशन मैनेजमेंट सिस्टम (एचआईएमएस) का उद्घाटन निदेशक (मानव संसाधन), सीसीएल हर्ष नाथ मिश्र के कर-कमलों द्वारा किया गया। इस अवसर पर उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ करने की दिशा में सीसीएल की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। नए एचआईएमएस सिस्टम के स्थापित होने से अब गांधीनगर अस्पताल, सीसीएल की तरह ही दरभंगा हाउस डिस्पेंसरी में सीसीएल अधिकारियों, कर्मचारियों एवं उनके परिवारजनों को उच्च गुणवत्तापूर्ण इलाज संभव होगा। इस कार्यक्रम में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ राजकुमार, डॉ राजीव कुमार जायसवाल, डॉ भगत, डॉ सांवली, महाप्रबंधक अधिकारी स्थापना संजय कुमार ठाकुर तथा महाप्रबंधक (प्रणाली) बीवा उरांव की विशेष उपस्थिति तथा अहम योगदान रहा। साथ ही डिस्पेंसरी के कर्मचारीगण आमोद प्रसाद, सरिका प्रसाद, कंचन स्नेहलता कुजूर, चम्पा उरांव, रवि प्रधान, संगीता देवी, श्री पंकज कुमार सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारीगण भी उपस्थित रहे।

सोमा मुंडा हत्याकांड का खुलासा

जमीन विवाद में रची गई थी साजिश, आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता

खूंटी : थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम जमुवादाग तालाब के समीप 07 जनवरी को दिनदहाड़े गोली मारकर की गई पड़हा राजा एवं कद्दावर आदिवासी नेता सोमा मुंडा की हत्या के मामले में पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने इस सनसनीखेज हत्याकांड का उद्भेदन करते हुए 7 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि हत्या की साजिश जमीन विवाद को लेकर रची गई थी।

इस संबंध में खूंटी थाना कांड संख्या 03/26 (दिनांक 08/1/2026 को विभिन्न धाराओं के तहत एवं आर्म्स एक्ट में मामला दर्ज किया गया था।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक, खूंटी के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, तोरपा के नेतृत्व में विशेष जांच दल का गठन किया गया। एसआईटी ने त्वरित कार्रवाई करते हुए हत्या में शामिल 7 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने स्वीकार किया कि जमीन विवाद के कारण सोमा मुंडा की हत्या की गई।

गिरफ्तार अभियुक्त में

- -20 वर्षीय बाहा मुंडा ग्राम जियारप्पा, खूंटी
- - 63 वर्षीय देवा पाहन ग्राम जियारप्पा, खूंटी
- -31 वर्षीय अनिश मुंडा उर्फ सुकरा ग्राम जियारप्पा, खूंटी
- -39 वर्षीय रविया पाहन उर्फ रवि ग्राम जियारप्पा, खूंटी
- -25 वर्षीय रमेश्वर संगा उर्फ रमेश ग्राम जियारप्पा, खूंटी
- -45 वर्षीय पंकज कुमार शर्मा उर्फ पंडित ग्राम बिकुवादाग, थाना जरियागढ़, खूंटी
- -देवव्रत नाथ शाहदेव , किशोरगंज, थाना कोतवाली, रांची को पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

गिरफ्तारी में पुलिस ने आरोपियों के पास से विभिन्न कंपनियों के 7 मोबाइल फोन बरामद किए हैं, जिन्हें साक्ष्य के तौर पर जब्त किया गया है।

छापेमारी दल का नेतृत्व अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, तोरपा ख्रिस्तोफर केरकेट्टा कर रहे थे। टीम में खूंटी जिले के विभिन्न थानों के थाना प्रभारी एवं अन्य पुलिस पदाधिकारी शामिल थे। अन्य आरोपियों की तलाश जारी, पुलिस ने बताया कि हत्याकांड में शामिल अन्य फरार आरोपियों की पहचान कर ली गई है। उनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापामारी अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस का कहना है कि मामले में आगे भी महत्वपूर्ण खुलासे हो सकते हैं।

झारखंड पुलिस का नया फरमान जारी

नकाब, हिजाब या घूंघट...अब चेहरा ढककर ज्वेलरी दुकानों में नो इंट्री

संवाददाता

रांची: देश के विभिन्न हिस्सों में ज्वेलरी दुकानों में दिन ब दिन चोरी की घटनाएं बढ़ रही है। वहीं इन वारदातों पर रोक लगाने के लिए पुलिस प्रशासन भी अब एक्शन मोड में है। झारखंड पुलिस ने निर्देश जारी किया है कि अब चेहरा ढका होने पर सोने-चांदी की दुकान में किसी भी ग्राहक का प्रवेश वर्जित होगा। दरअसल देश के विभिन्न हिस्सों में ज्वेलरी दुकानों में चोरी कई घटनाएं हुई हैं। अगर ग्राहक चेहरा ढककर आभूषण की दुकान में प्रवेश करते हैं तो उनकी पहचान नहीं हो पाती।

नए आदेश के अनुसार, पुरुषों को मास्क, नकाब या हेलमेट और महिलाओं को हिजाब, बुर्का या घूंघट पहनकर दुकानों में प्रवेश की अनुमति नहीं होगी। दरअसल कई बार लोग चेहरा ढककर ग्राहक बनकर ज्वेलरी दुकानों में दाखिल हो जाते है। बड़ी बड़ी लूट की वारदातों को अंजाम देते हैं। पुलिस ने स्पष्ट तौर पर कहा कि आदेश की उल्लंघना करने वालों को दंड दिया जाएगा। इस कदम से चोरी की किसी घटना की स्थिति में सीसीटीवी फुटेज के जरिए ग्राहकों की पहचान करने में पुलिस को भी मदद मिलेगी।

गरीबों के निवाले पर डाका!

45 किलो के बदले 38 किलो चावल पीडीएस डीलर का लूट हुआ उजागर

संवाददाता

चतरा: जिले के लावालौंग प्रखंड क्षेत्र के लमटा पंचायत में जन वितरण प्रणाली (पीडीएस) में खुलेआम लूट का मामला सामने आया है।यहां एक पीडीएस डीलर द्वारा लाभुकों के हिस्से के चावल में भारी कटौती की जा रही थी। मामला तब उजागर हुआ जब मुखिया ने मौके पर ही वजन कराकर सच्चाई सामने ला दी। जानकारी के अनुसार डाढा. गांव निवासी राजेंद्र पासवान पीडीएस दुकान से अपने हिस्से का 45 किलो चावल लेकर घर लौट रहा था।रास्ते में उसे चावल कम होने का शक हुआ।इसी दौरान उसकी मुलाकात मुखिया अमित कुमार चौबे से हुई,जिनके सामने उसने अपनी शंका जाहिर की।मुखिया ने तत्काल चावल का वजन करवाया, जिसमें मात्र 38 किलो चावल पाया गया।यानी लाभुक के हिस्से से 7 किलो चावल की सीधी कटौती की गई।राजेंद्र ने मुखिया को बताया कि सैकड़ो लाभुक कटौती की शिकायत लेकर उनके पास आना चाह रहे हैं।कटौती की पुष्टि होते ही मुखिया ने आतमपुर गांव स्थित मंजू देवी महिला समाख्या सहायता समूह द्वारा संचालित पीडीएस दुकान की संचालक मंजू देवी को फोन कर कड़ी फटकार लगाई।डीलर ने मशीन की बैटरी चार्ज नहीं होने का हवाला देकर बचने की कोशिश की,लेकिन मुखिया ने इसे बहाना बताते हुए तुरंत काटे गए चावल को लाकर देने का निर्देश दिया।आनन-फानन में डीलर मंजू देवी कटौती किए गए चावल लेकर पहुंची और मुखिया की मौजूदगी में लाभुक को सौंप दिया।मुखिया अमित कुमार चौबे ने रोष प्रकट करते हुए कहा कि सरकार और विभाग के द्वारा मशीन को पूरी तरह सेटिंग कर डीलरों को दिया जाता है, लेकिन डीलरों द्वारा मशीन से छेड़छाड़ कर गरीबों का हक मारना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है।उन्होंने कहा कि 45 किलो राशन में 7 किलो की कटौती अमानवीय और आपराधिक मानसिकता को दर्शाता है। इस मामले को लेकर वे एमओ और संबंधित विभाग को लिखित शिकायत करेंगे। मुखिया ने प्रखंड क्षेत्र के अन्य पीडीएस दुकानों की भी सघन जांच कराने की मांग की,ताकि अन्य लाभुक इस तरह की लूट का शिकार न हों।

इधर,सहायक गोदाम प्रभारी विनय कुमार चौधरी ने बताया कि मुखिया जी के द्वारा मुझे मामले की जानकारी दी गई है।डीलर द्वारा राशन की कटौती गंभीर मामला है,जबकि गोदाम से एक सौ ग्राम चावल भी कम नहीं दिया जाता है। मामले की सख्ती से जांच कर दोषी के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।वहीं,बीडीओ विपिन कुमार भारती ने कहा कि मामला अभी उनके संज्ञान में नहीं आया है,लेकिन सूचना मिलते ही जांच कर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

खूंटी पहुंचे सुदेश महतो, सोमा मुंडा को दी श्रद्धांजलि

संवाददाता

खूंटी: पूर्व उप मुख्यमंत्री एवं आजसू पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश महतो खूंटी के चलागी स्थित एलेन पड़हा राजा स्वर्गीय सोमा मुंडा के आवास पहुंचे। उन्होंने स्व. मुंडा के चित्र पर पुष्प अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी तथा शोक संतप्त परिजनों से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया।

इस अवसर पर सुदेश महतो ने स्व. सोमा मुंडा के साथ बिताए पलों को साझा करते हुए कहा कि झारखंड की सामाजिक, सांस्कृतिक और पारंपरिक व्यवस्थाओं को जीवंत बनाए रखने में उनका योगदान अतुलनीय रहा है। उन्होंने कहा कि उन्हें प्रारंभ से ही ऐसे लोगों के साथ काम करना पसंद रहा है, जो झारखंड की आत्मा–उसकी परंपरा, संस्कृति और सामाजिक व्यवस्था–को बचाए रखने के लिए समर्पित रहे हों। स्व. सोमा मुंडा ऐसे ही व्यक्तित्व थे, जिनसे उनका निरंतर संवाद होता रहा।

सुदेश महतो ने कहा कि स्व. सोमा मुंडा न केवल 22 पड़हा राजाओं के राजा थे, बल्कि 56 गांवों की सांस्कृतिक व्यवस्था की जिम्मेदारी भी उन्होंने पूरी निष्ठा से निभाई। उन्होंने वर्षों से निष्क्रिय पड़े पड़हा राजाओं को पुनः सक्रिय करने का ऐतिहासिक कार्य किया और क्षेत्र में सामाजिक जागरूकता की अलख जगाई। शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान को याद करते हुए उन्होंने बताया कि हाई स्कूल की स्थापना कर स्व। मुंडा ने बच्चों में ज्ञान का प्रकाश फैलाया तथा जल, जमीन और जंगल को समाप्त करने की साजिशों के खिलाफ लगातार आवाज बुलंद की। उन्होंने स्व. सोमा मुंडा के आकस्मिक निधन को समाज के लिए अपूरणीय क्षति बताते हुए कहा कि ऐसे महान व्यक्तित्व का जाना पूरे पड़हा समाज और झारखंडी संस्कृति के लिए गहरा आघात है। इस दौरान सुदेश महतो ने यह भी कहा कि पारंपरिक व्यवस्था के अनुरूप स्व। सोमा मुंडा के पश्चात उनकी पत्नी अमृता मुंडा को पड़हा समाज की रानी घोषित किया जाना चाहिए, ताकि परंपरा की निरंतरता बनी रहे। सुदेश महतो ने स्व. मुंडा के बच्चों की पढ़ाई की जानकारी लेते हुए उन्हें शिक्षा जारी रखने और अपने पिता के दिखाए मार्ग पर चलकर उनके अधूरे सपनों को पूरा करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने स्व. मुंडा के बच्चों तथा बिरसा उच्च विद्यालय के अधूरे पड़े कार्यों को आगे बढ़ाने में हर संभव सहयोग देने का भी आश्वासन दिया। इस मौके पर बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण, सामाजिक कार्यकर्ता और पड़हा समाज के प्रतिनिधि उपस्थित थे। सभी ने एक स्वर में स्व। सोमा मुंडा के योगदान को याद करते हुए उन्हें समाज का सच्चा प्रहरी बताया।

टुसू महोत्सव का भव्य आयोजन, राज्यपाल ने किया उद्घाटन

टुसू पर्व में दिखती है सांस्कृतिक विरासत की झलक व प्रकृति के प्रति आभार : धनपति महतो

संवाददाता

सिल्ली: कुरमाली भाषा परिषद परिवार के बैनर तले मकर संक्रांति के अवसर पर झारखंड की लोक परंपरा से जुड़े टुसू महोत्सव का भव्य आयोजन राजधानी रांची के मोरहाबादी मैदान किया गया। टुसू महोत्सव कार्यक्रम का शुभारंभ राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने दीप प्रज्ज्वलित कर। किया। राज्यपाल ने भी पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार टुसू की पूजा-अर्चना की। आयोजन स्थल पर उनका स्वागत कुड़मी संघर्ष मोर्चा का केंद्रीय अध्यक्ष धनपति महतो कुरमाली भाषा परिषद का केंद्रीय अध्यक्ष राजाराम महतो आदि कई महिलाओं ने गुड़ पीठा, झारखंड के पारंपरिक व्यंजनों और विभिन्न प्रकार के मिष्ठानों से किया। वही राज्यपाल ने झारखंड की लोक संस्कृति की सराहना की।कुड़मी संघर्ष मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष धनपति महतो ने कहा टुसू पर्व मुख्य रूप से कुड़मी, आदिवासी, मुलवासी समुदायों का पारंपरिक त्यौहार है, जिसमें प्रकृति के प्रति आभार और सांस्कृतिक विरासत की झलक स्पष्ट रूप से देखने को मिलती है।इस अवसर पर लोक जीवन की भावनाओं से ओत-प्रोत पारंपरिक टुसू गीत गाए जाते हैं, सामूहिक लोक नृत्य किए जाते हैं और घर-घर में विशेष तौर पर गुड़ पीठा खापरा पीठा, मांस चाड़पा के अलावे कई तरह के व्यंजन तैयार किए जाते हैं और आपस में मिल बाँट कर खाते है फिर पारंपरिक भेश-भूषा में ढोल-नगाड़ों और बाजा-गाजा के साथ नाचते-गाते है। इस टुसु महोत्सव कार्यक्रम में राज्य सभा सांसद महुआ माजी पूर्व सांसद शैलेन्द्र महतो समेत अनेकों गन्य मान्य लोग मौजूद थे।

अंश- अंशिका की सकुशल बरामदगी ने साबित किया

हम हैं हम हैं झारखंड पुलिस...

विनय मिश्रा

रांची: राजधानी रांची के धुर्वा क्षेत्र से विगत दो जनवरी से लापता भाई-बहन को आज झारखंड पुलिस ने आज सुकुशल बरामद कर लिया। जिसके फल स्वरुप मां पिता के साथ-साथ पुलिस भी काफी परेशान थी हालांकि पुलिस द्वारा इन दोनों बच्चों के सकुशल वापसी और बरामदगी के लिए निरंतर अथक परिश्रम और प्रयास किया जा रहा था जिसके फल स्वरुप आज लापता होने के 13 वे दिन दोनों बच्चों की सकुशल बरामदगी हुई, रामगढ़ जिला के चितरपुर से बरामदगी पुलिस के अथक परिश्रम और प्रयास का ही सार्थक परिणाम माना जा रहा है, धुर्वा क्षेत्र से अंश और अंशिका के लापता हो जाने के पश्चात से झारखंड की राजधानी में यह मामला पुलिस के लिए काफी चुनौती माना जा रहा था और निरंतर जन दबाव भी पुलिस को इन दो लापता बच्चों की खोज और सुराग के लिए पूरी मुस्तैदी और गंभीरता के साथ जुटी रही डीजीपी से लेकर अपर पुलिस महानिदेशक सह रांची के पुलिस महानिरीक्षक मनोज कौशिक का निरंतर प्रयास अंततः सफल रहा और आज दोनों लापता बच्चों की बरामदगी, झारखंड पुलिस के लिए निश्चित तौर पर उपलब्धि कामयाबी और गौरव की बात रही, धुर्वा क्षेत्र से लापता दोनों बच्चों के मामलों को पुलिस ने काफी गंभीरता और बेहतर रणनीति के साथ कामयाबी हासिल करने में सफल रही वहीं रांची के वरीय पुलिस अधीक्षक राकेश रंजन भी बेहतर तालमेल और बेहतर तथा उत्कृष्ट टीम के साथ पूरे घटना चक्र पर नजर रखने के साथ-साथ लापता बच्चों की बरामदगी के लिए रणनीति के तहत कार्य में जुटे रहे और बच्चों के बरामदगी ने यह साबित किया कि कर्म और कार्य बेहतर सामंजस्य पुलिस के बेहतर और उत्कृष्ट कार्य के सूचक है और हमें गर्व है इन पुलिस अधिकारियों पर इसी के फलस्वरूप यह कहा जा सकता है कि हम हैं हम हैं झारखंड पुलिस कामयाबी उपलब्धि और सफलता के लिए निरंतर संघर्षरत और जुटे रहने वाले, गौरतलब हो कि अपर पुलिस महानिदेशक सहपुलिस महानिरीक्षक रांची मनोज कौशिक भारतीय पुलिस सेवा 2001 बीच के कामयाब उपलब्धि और अपने कार्यों के फल स्वरुप पहचाने जाते हैं वही वरीय पुलिस अधीक्षक रांची राकेश रंजन 2017 बैच के आईपीएस अधिकारी हैं इन उपलब्धि से रांची पुलिस का मान सम्मान और गौरवपूर्ण बढ़ा है और इसके लिए पूरे राज्यवासियों को गर्व है।

पद्मभूषण कड़िया मुंडा से रंगदारी की मांग, पुलिस अधिकारी बनकर दी धमकी, साइबर थाने में प्राथमिकी दर्ज

रांची: झारखंड भाजपा के वरिष्ठ नेता, खूंटी के पूर्व सांसद और पद्मभूषण से सम्मानित कड़िया मुंडा को अज्ञात अपराधी द्वारा पुलिस अधिकारी बनकर रंगदारी मांगने की धमकी दिए जाने का मामला सामने आया है। 80 वर्षीय आदिवासी नेता को इस तरह की धमकी पहली बार मिली है। कड़िया मुंडा कें निजी सहायक ने सोशल मीडिया पर दी जानकारी

कड़िया मुंडा के निजी सहायक डॉ. निर्मल सिंह के अनुसार, मोबाइल नंबर 8208746581 से कड़िया मुंडा के नंबर 9431108685 पर लगातार कॉल आ रहे थे। कॉल करने वाला स्वयं को पुलिस अधिकारी बताकर पैसे की मांग कर रहा था और धमकी भी दे रहा था। डॉ. सिंह ने इस घटना की जानकारी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा करते हुए पुलिस और मुख्यमंत्री कार्यालय को टैग किया। उन्होंने बताया कि कड़िया मुंडा वर्तमान में अस्वस्थ हैं और इस तरह की धमकी भरी कॉल से वे मानसिक रूप से परेशान हो रहे हैं। उन्होंने दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है। मामले की पुष्टि करते हुए एसपी मनीष टोप्पो ने बताया कि डॉ. सिंह की शिकायत पर रांची के साइबर थाना में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है और रंगदारी मांगने वाले आरोपी को जल्द गिरफ्तार करने का दावा किया है। ज्ञातव्य है कि कड़िया मुंडा न केवल झारखंड भाजपा के दिग्गज नेता हैं, बल्कि वे लोकसभा के पूर्व उपाध्यक्ष भी रह चुके हैं और खूंटी से कई बार सांसद रहे हैं। घटना के बाद राजनीतिक और प्रशासनिक हलकों में चिंता का माहौल है।

एनबीएसएल-केनरा बैंक साझेदारी से यूपीआई भुगतान प्रणाली को मजबूती

मेट्रो रेज

रांची: एनपीसीआई भीम सर्विसेज लिमिटेड (एनबीएसएल) और केनरा बैंक के बीच हुई साझेदारी के तहत केनरा बैंक के भुगतान ऐप कैनरा एआई वन पे पर यूपीआई आधारित डिजिटल भुगतान सेवाओं को सशक्त किया जाएगा, जिससे बैंक के ग्राहक और गैर-ग्राहक दोनों को सुरक्षित, विश्वसनीय और स्केलेबल डिजिटल भुगतान सुविधा मिलेगी; यह सहयोग भीम बैंक प्लग-इन तकनीक पर आधारित है, जो अनुपालन, प्रणाली की विश्वसनीयता और स्केलेबिलिटी सुनिश्चित करते हुए नए यूपीआई फीचर्स और तकनीकी अपग्रेड को तेजी से अपनाने में सहायक होगा, साथ ही स्वतंत्र यूपीआई इंटरफेस के विकास, रखरखाव और नियमित उन्नयन में लगने वाली लागत एवं संसाधनों की आवश्यकता को कम करेगा; एनबीएसएल की प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी ललिता नटराज के अनुसार यह साझेदारी यूपीआई सेवाओं की निरंतर उपलब्धता सुनिश्चित करने के साथ बैंक की संचालनात्मक और अनुपालन आवश्यकताओं को मजबूत समर्थन देगी, वहीं केनरा बैंक इस मॉडल को अपनाने वाला पहला बैंक बना है और एनबीएसएल अन्य बैंकों के साथ भी यूपीआई क्षमताओं के विस्तार को लेकर बातचीत कर रहा है।

उलीडीह में नये खेल मैदान का उद्घाटन

खेल मैदान बनने से ग्रामीणों में खुशी, बच्चों को मिलेगा स्थानीय मंच : अशोक मुंडा

मेट्रो रेज

नामकुम : राज्यसभा सांसद डॉ। प्रदीप वर्मा एवं भाजपा खिजरी मंडल अध्यक्ष अशोक मुंडा के सौजन्य से नामकुम प्रखंड के हाहाप पंचायत अंतर्गत उलीडीह गांव में नवनिर्मित फुटबॉल मैदान का भव्य उद्घाटन किया गया। उद्घाटन समारोह का नेतृत्व मंडल अध्यक्ष अशोक मुंडा ने किया। इसी अवसर पर मैदान में आयोजित दो दिवसीय फुटबॉल टूर्नामेंट का भी विधिवत शुभारंभ हुआ। इस मौके पर अशोक मुंडा ने कहा कि उलीडीह गांव के ग्रामीणों द्वारा काफी पहले खेल मैदान के लिए स्थल का चयन कर लिया गया था, लेकिन आर्थिक संसाधनों के अभाव में मैदान का निर्माण नहीं हो पा रहा था। ग्रामीण लंबे समय से फुटबॉल मैदान की मांग कर रहे थे, जिसे राज्यसभा सांसद डॉ। प्रदीप वर्मा के समक्ष रखा गया। सांसद के दिशा-निर्देश पर पहल करते हुए मैदान का समतलीकरण कर खेल मैदान का निर्माण कराया गया। उन्होंने कहा कि खेल मैदान केवल खेल गतिविधियों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि यह युवाओं को अनुशासन, टीम भावना और सकारात्मक दिशा देने का माध्यम भी बनता है। मैदान के निर्माण से गांव के खिलाड़ियों को अब अभ्यास एवं प्रतियोगिता के लिए दूसरे गांवों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। खेल मैदान के बनने से ग्रामीणों में खासा उत्साह देखा गया। ग्रामीणों ने कहा कि अब गांव के बच्चे यहीं खेल प्रतिभा निखार सकेंगे और भविष्य में विभिन्न खेल व सामाजिक आयोजनों के लिए भी इस मैदान का उपयोग किया जा सकेगा। आयोजकों ने जानकारी दी कि फुटबॉल टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला 15 जनवरी को टुसू मेला के अवसर पर खेला जाएगा, जिसे लेकर खिलाड़ियों और दर्शकों में खासा उत्साह है। इस अवसर पर समीर राय, संदीप मंडल, रमेश मुंडा, शिलाश टूटी, मंगल टूटी, अविनाश टूटी, जॉनसन टूटी, गणपत मुंड़ा, पांडू मुंडा, संदीप टूटी, प्रेम मुंडा, राकेश मुंडा, मदन टोप्पो, सूर्या कांत मुंडा सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण व खेलप्रेमी उपस्थित थे।

बड़े भाई की लाठी से पीट कर हत्या, गिरफ्तार

सिल्ली: थाना क्षेत्र के धरमपुर गांव में छोटे भाई ने अपने बड़े भाई की लाठी से मार कर हत्या कर दी। घटना के बाद एफएसएल की टीम ने घटनास्थल की जांच की है। इधर सिल्ली पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मिली जानकारी के मुताबिक मृतक बलराम मुंडा (55) व उसकी पत्नी सहचरी देवी सोमवार की रात करीब आठ बजे खाना खाकर सोने जा रहे थे कि उसी समय बलराम मुंडा का छोटा भाई सिदाम मुंडा आकर गाली गलौज करने लगा। बात बढ़ गयी और उसने पास में ही रखी एक लाठी से बलराम मुंडा ने सिर पर कई बार वार कर दिया। इससे बलराम वहीं गिर पड़ा मौके पर ही उसकी मौत हो गयी। हत्या करने के बाद छोटा भाई सिदाम मुंडा अपने घर चला गया। मृतक की पत्नी सहचरी देवी ने बताया कि पहले भी इन दोनों के बीच झगड़ा होता रहा है। सूचना पाकर सिल्ली पुलिस एवं एफएसएल की टीम ने घटनास्थल की जांच की। हत्यारे भाई को गिरफ्तार कर लिया है। समाचार लिखे जाने तक आरोपी को जेल भेजने को तैयारी की जा रही थी।

आपसी विवाद में लाठी डंडे की पिटाई से एक की मौत

मुरी: सिल्ली थाना अंतर्गत ग्राम धरमपुर में बीते रात बलराम मुंडा, उम्र - करीब 65 वर्ष, पिता - स्व खेदन मुंडा को उसके ही अपने भाई सीदाम मुंडा के बीच आपसी विवाद हुआ । जिसमें सीदाम मुंडा द्वारा अपने भाई बलराम मुंडा पर लाठी- डंडे से प्रहार किया। जिससे बलराम मुंडा की मौके पर ही मौत हो गई। जिस संबंध में सिल्ली थाना द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए घटनास्थल पर एफएसएल टीम द्वारा घटनास्थल पर पहुंचकर जांच प्रारंभ किया तथा शव की पंचनामा कराकर पोस्टमार्टम कराने हेतु रिम्स रांची भेजा गया। मृतक की पत्नी के द्वारा दिये गए लिखित आवेदन के आधार पर सिल्ली थाना कांड संख्या 03/26, दिनांक - 13/01/2026 धारा -103(1) बीएनएस के तहत कांड दर्ज किया गया । अनुसंधान के क्रम में त्वरित कार्रवाई करते हुए कांड के प्राथमिकी अभियुक्त सिदाम मुंडा उम्र - करीब 65 वर्ष, पिता स्व. खेदन मुंडा सा - धर्मपुर , थाना- सिल्ली, जिला -रांची को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया।

सीनियर फैकल्टी के निधन पर रांची विवि के विधि विभाग में 16 को शोक दिवस

रांची : रांची यूनिवर्सिटी की इंस्टीट्यूट ऑफ लीगल स्टडीज (विधि विभाग) के सीनियर फैकल्टी के निधन पर 16 जनवरी को अवकाश रहेगा। विभाग ने इससे संबंधित अधिसूचना जारी की है। जारी आधिकारिक सूचना के अनुसार, 16 जनवरी को विभाग में शोक दिवस मनाया जाएगा। इस दिन कोई भी आधिकारिक कार्य

बता दें कि विधि विभाग के वरिष्ठ फैकल्टी उदय प्रताप सिंह का 10 जनवरी को निधन हो गया था और उनका अंतिम संस्कार 11 जनवरी को किया गया था। उनके निधन की खबर से विधि विभाग में शोक की लहर है।

विभाग ने दिवंगत शिक्षक के असामयिक निधन पर दुख जताया है और उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की है। विभाग की ओर से शोकाकुल परिवार के प्रति संवेदना भी प्रकट की गई है।

बच्चों का अकेला न छोड़े

रांची: लापता अंश और उसकी बहन आंशिक रामगढ़ के चितरपुर में मिल गये है। मिली जानकारी के अनुसार दोनों भाई -बहन कुशल मंगल है । मैं रोहित सनातनी आप सभी समाज के लोगों से यह कहना चाहता हूं कि अपने छोटे बच्चों पर थोड़ा ध्यान दें उन्हें कहीं भी अकेला ना छोड़े आजकल के पेरेंट्स बच्चों को दुकान भेजते हैं यह सामान ले आओ वह सामान ले आओ ऐसा ना करें विनती है इस घटना से आप सीख ले और अपने बच्चों को अगर वह खेलने भी जाते हैं तो उनके जेब में एक पर्ची रखें। पर्ची में आप अपना नाम लिखिए। घर का पता लिखिए और कम से कम पांच आदमी का फोन नंबर लिखिए घर वाले का। सनातन एकता मंच और अखंड भारत संस्था द्वारा पूरे भारत देश में बच्चों का फोटो वायरल किया गया था। जिसमें पूरे झारखंड, बिहार, बंगाल, राजस्थान, दिल्ली जहां भी हमारे सनातनी राम भक्त हिन्दू कार्यकर्ता है । सभी स्थान पर उनका फोटो वायरल किया गया था। मैं ब्रजेश सिंह अखंड भारत केंद्रीय अध्यक्ष बच्चों के माता/पिता को बहुत बहुत धन्यवाद देता हूं और लोगों को कहना चाहता हूं कि अपने बच्चों पर ध्यान दे।

दुमका में बस और ट्रक की सीधी टक्कर हादसे में 12 से अधिक यात्री घायल

दुमका: जिले के रामपुरहाट मुख्य मार्ग पर मुफस्सिल थाना अंतर्गत रामपुर गांव के पास यात्री बस और ट्रक की टक्कर हो गई। टक्कर के बाद बस अनियंत्रित होकर खेत में जाकर पलट गई। इस घटना से बस में सवार 12 से अधिक यात्री घायल हो गए हैं। जिसमें दो की हालत गंभीर बताई जा रही है। घायल यात्रियों में बच्चे भी शामिल हैं। सभी घायलों को दुमका स्थित फूलो झानो मेडिकल कॉलेज एंड अस्पताल में भर्ती किया गया है।

रामपुरहाट से दुमका आ रही थी बसः दरअसल कृष्ण रजत नाम की यह बस पश्चिम बंगाल के रामपुरहाट से दुमका की ओर आ रही थी। दुमका बस पड़ाव पहुंचने से लगभग 8 किलोमीटर पहले रामपुर गांव के समीप विपरीत दिशा से आ रहे एक ट्रक ने बस को टक्कर मार दी। जिससे चालक ने अपना नियंत्रण खो दिया और बस सीधे एक खेत में जाकर पलट गई। बस यात्रियों से भरी हुई थी। बस यात्री मोहम्मद आजाद अंसारी ने बताया कि बस चालक विपरीत दिशा से आ रहे अनियंत्रित ट्रक से बचने का प्रयास किया, लेकिन वह सफल नहीं हुआ। जिससे यह हादसा हुआ।

मौके पर पहुंचे थाना प्रभारीः मौके पर पहुंची मुफस्सिल थाना प्रभारी लॉरेंसिया केरकेट्टा घायलों की इलाज सुनिश्चित कराने के लिए अस्पताल पहुंची। उन्होंने बताया कि जैसे ही हमें यह सूचना मिली फौरन हमारी टीम मौके पर पहुंची और एंबुलेंस के माध्यम से सभी घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया है। जहां सभी का इलाज जारी है। हादसे में कोई भी हताहत नहीं हुई है।

निपाह वायरस को लेकर झारखंड अलर्ट, स्वास्थ्य मंत्री ने दिया सर्तक रहने का निर्देश

संवददाता

रांची: पश्चिम बंगाल में निपाह वायरस से दो लोगों की मृत्यु के बाद झारखंड सरकार पूरी तरह सतर्क हो गई है। स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने राज्य के सभी जिलों के सिविल सर्जनों को अलर्ट मोड में रहने का निर्देश दिया है।

निपाह वायरस फल खाने वाले चमगादड़ों से फैलता हैः इस संबंध में स्वास्थ्य विभाग के एक्स्ट्रा एडिशनल सेक्रेटरी अजय कुमार को भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं। निपाह वायरस के प्रमुख लक्षणों में शुरूआती बुखार, सिरदर्द, खांसी, सांस लेने में तकलीफ, गले में खराश, तेज सिरदर्द, मस्तिष्क पर तीव्र प्रभाव (ब्रेन अटैक), मानसिक सूजन (एन्सेफेलाइटिस) तथा कोमा जैसी गंभीर स्थितियाँ शामिल हैं। यह एक अत्यंत खतरनाक जानवर से इंसान में फैलने वाली (जूनोटिक) बीमारी है। निपाह वायरस मुख्य रूप से फल खाने वाले चमगादड़ों (फ्रूट बैट) से फैलता है। इसके अलावा संक्रमित

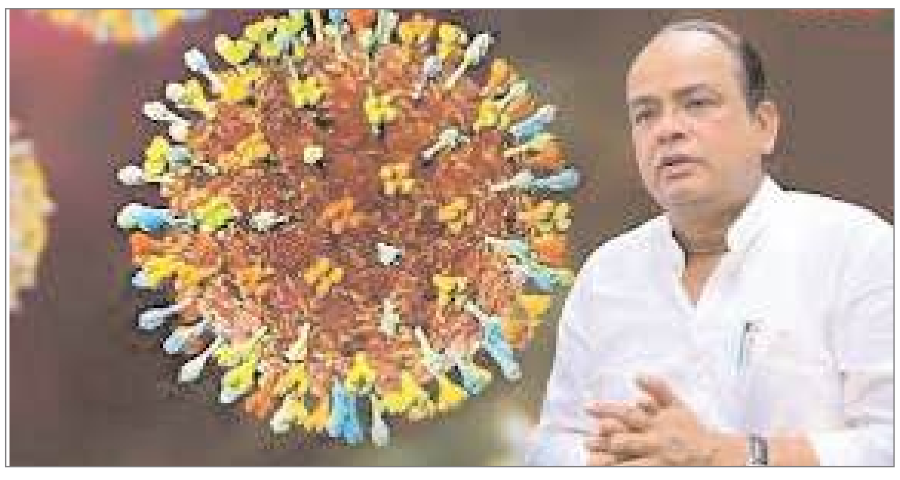

जानवरों, विशेषकर सूअरों के सीधे संपर्क, उनके संक्रमित मांस के सेवन या संक्रमित व्यक्ति के शरीर से निकलने वाले द्रवों (जैसे लार, रक्त आदि) के सीधे संपर्क में आने से भी यह संक्रमण फैल सकता है।

निपाह वायरस को अत्यंत गंभीर और घातक रोग माना जाता है : इस बीमारी की मृत्यु दर (फैटेलिटी रेट) बहुत अधिक है, जो प्रकोप की स्थिति के अनुसार 40 प्रतिशत से 75 प्रतिशत तक हो सकती है। यही कारण है कि निपाह वायरस को अत्यंत गंभीर और घातक रोग माना जाता है। डॉ. अंसारी ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि सभी जिलों में सख्त निगरानी, त्वरित रिपोर्टिंग व्यवस्था, और जन-जागरूकता कार्यक्रम चलाए जाएं, ताकि लोगों को इस बीमारी के लक्षण, बचाव और सावधानियों की पूरी जानकारी मिल सके और झारखंड में इसका कोई भी प्रकोप न होने पाए। झारखंड सरकार इस खतरनाक बीमारी की रोकथाम के लिए पूरी तरह मुस्तैद है और स्वास्थ्य विभाग को हर स्तर पर सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं।

उत्तर पश्चिम रेलवे
संख्याः जीएसयू/सीपीएम/जेपी / निविदा/25-26 दिनांक: 09.01.2026
शुद्धि पत्र
इस कार्यालय द्वारा ज्ञापित खुली निविदा सूचना संख्याः जीएसयू / सीपीएम/जेपी/निविदा/25-26 दिनांक 07.01.2026 में निविदा सं० गति-शक्ति/इन्जी./जेपी/2025-26/13 जो दिनांक 30.01.2026 को खोली जानी थी। उक्त निविदा में पुर्व में डाली गई वित्तीय बिड को हटाकर नई वित्तीय बिड वेब साइट www.ireps.gov.in पर डाली गई है कृपया नई वित्तीय बिड को मध्य नजर रखते हुये निविदा प्रस्तुत करें। यह अन्य शर्तें यथावत रहेगी।
72-PS/26 उप. मुख्य इंजी (जी. एस.यु.) जयपुर

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

रक्तहीन क्रांति के 105 साल

भारत की आजादी के लिए हुए जन संघर्षों की विस्तृत श्रृंखला में 14 जनवरी, 1921 की तारीख को नहीं भुलाया जा सकता । इसी रोज उत्तराखंड की जनता ने अहिंसक सामूहिक प्रतिरोध के बूते न केवल सर्वशक्तिमान ब्रिटिश सत्ता को घुटनों के बल ला दिया, बल्कि पिछले लंबे समय से चली आ रही कुली-बेगार जैसी अमानुषिक कुप्रथा से मुक्ति पा ली थी। उत्तराखंड में कुली-बेगार उन्मूलन आंदोलन राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के भारत में प्रारंभ किए गए असहयोग आंदोलन के रूप में अभिव्यक्त हुआ और पूर्णतः सफल रहा। उत्तराखंड को गोरखा सैनिक शासन के जुल्मी शिकंजे से मुक्त करा कर अंग्रेजों ने 1815 में यहां अपना आधिपत्य स्थापित कर लिया था। ब्रिटिश राज कायम होने के बाद बेशक हरिद्वार का 'दास बाजार' धीरे-धीरे कमजोर पड़ा, लेकिन अंग्रेज यहां के पूर्ववर्ती राजाओं की भांति गांवों के प्रधानों/ पटवारियों के माध्यम से इस क्षेत्र के काश्तकारों से कुलियों का काम अनवरत लेते रहे। 1815 में यहां ईष्ट इंडिया कंपनी और 1858 में ब्रिटिश शासनकाल में यह कुप्रथा उत्तराखंड के भोले - भाले ग्रामीण काश्तकारों के अपमान और शोषण का औजार बन गई थी। 1863 -73 के दसवें भूमि बंदोबस्त में जे.ओ.बी. बेकट ने बड़ी चालाकी से कुली - बेगार, कुली - उतार और कुली - बर्दायश को भूमि बंदोबस्ती इकरारनामों का हिस्सा बना दिया था। कुली- बेगार कुप्रथा के तहत यहां के प्रत्येक जमींदार, हिस्सेदार और आसामी को सरकार ने कुली का दर्जा दिया था। जिनके पास भी काश्तकारी की जमीन हो, वे सभी कुली कहलाते थे। भूमिहीन इस कलंक से मुक्त थे। तब पहाड़ में भूमिधर होना सम्मान की नहीं बल्कि 'कुली' होने का अभिशाप था। यह कुख्यात कुली प्रथा तीन चरणों में विभक्त थी, जिसे कुली - उतार, कुली - बेगार और कुली- बर्दाश्त कहा जाता था। अंग्रेज साहबों के दौरों और सैर-सपाटों के वास्ते पटवारी कुलियों की मांग तथा कुली बर्दाश्त का रूक्का प्रधानों/ थोकदारों को भेजते थे। कुली -उतार के तहत सरकारी आदेश पर लोगों को सामान ढोने के लिए गांव से उतर कर सड़क में बने पड़ावों में एकत्र होना पड़ता था। दौरे पर आने वाले पुलिस, प्रशासन, जंगलात विभाग एवं सेना के अधिकारियों, सैलानियों, सर्वे दलों और अंग्रेज काश्तकारों का सारा सामान, यहां तक कि कमोड, जूते और ऐसी सामग्री ढोने को मजबूर किया जाता था, जिससे यहां की धर्मभीरु जनता की धार्मिक भावनाएं आहत होती हों। स्कूल, सड़कें, पुल, डाक बंगले और वन विभाग की चौकियां आदि सार्वजनिक उपयोग के निर्माण कार्य भी बेगार द्वारा कराए जाते थे। साहब लोगों के रहने के लिए मुफ्त में टेंट गाड़ना, पानी भरना, उनके जूठे बर्तन साफ करना, उनके घोड़ों के लिए घास और जलावन के लिए ईंधन की व्यवस्था करना आदि छोटे-मोटे काम कुली- बेगार कहलाते थे। जबकि कुली- बर्दाश्त कुप्रथा रसद से जुड़ी थी। इसके अंतर्गत साहब लोगों के दौरों के दौरान पटवारी गांव वालों से घास, लकड़ी, कोयला, अन्न, घी, दूध - दही, अंडा-मुर्गा, दालें, सब्जी, बर्तन और अन्य खाद्य सामग्री मुफ़्त अथवा नाममात्र की कीमत पर लेते थे। पहाड़ के प्रत्येक गांव में कुली रजिस्टर बनते थे, इन रजिस्टरों में 'कुलियों' के नाम कटते और जुड़ते रहते थे। हरेक गांव में कुलियों की संख्या निर्धारित थी। सरकारी आज्ञा पर इन्हें निर्धारित कुली पड़ावों में हर हालत में हाजिर होना पड़ता था। व्यक्तिगत अथवा पारिवारिक सुख-दुःख, प्रतिकूल मौसम और तीज-त्यौहार, किसी भी परिस्थिति में कुली को बारी से छूट नहीं मिलती थी। बोझा नहीं ढोने वालों को अर्थदंड देना पड़ता था। अंग्रेज साहबों की सुविधा के लिए बेगारी देना उत्तराखंड के लोगों विशेषकर ग्रामीण काश्तकारों के लिए कानूनी रूप से बाध्यकारी था। इस अमानुषिक कुप्रथा से संपूर्ण उत्तराखंड की जनता त्रस्त थी। अपमान सहने को विवश थी। उत्तराखंड में प्रचलित इस अमानुषिक व्यवस्था के विरुद्ध अतीत में अनेक बार विरोध के छुटपुट स्वर मुखरित होते रहे, लेकिन कोई बड़ा जनांदोलन खड़ा नहीं हो पाया था। 1913 में बदरी दत्त पाण्डे ने 'अल्मोड़ा अखबार' के संपादक का दायित्व संभाला। इसके बाद उन्होंने इस प्रथा के विरुद्ध लिखना शुरू किया। बदरी दत्त पाण्डे ने लाला चिरंजीलाल और लक्ष्मीदत्त त्रिपाठी के साथ ग्रामीण क्षेत्रों का भ्रमण कर इस कुप्रथा के विरुद्ध जन जागरण अभियान की शुरूआत की। 1904 में इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने इस प्रथा को नियम विरुद्ध और गैर कानूनी करार दिया। व्यवस्थापिका सभा में भी इस प्रथा के विरोध में प्रस्ताव पारित हुआ। बावजूद इसके तब उत्तराखंड में तैनात मनबढ़ अंग्रेज अधिकारियों ने इस व्यवस्था को कायम रखा। यही नहीं 1913 में अल्मोड़ा के तत्कालीन डिप्टी कमिश्नर ने अल्मोड़ा शहरवासियों को भी कुली उतार देने के आदेश जारी कर दिए। बोझा नहीं ढोने वालों के ऊपर प्रतिवर्ष दो रुपया कुली-कर लगा दिया गया। रायबहादुर तारा दत्त गैरोला ने प्रांतीय कौंसिल में इस व्यवस्था के विरुद्ध आवाज उठाई, लेकिन कोई परिणाम नहीं निकला। इस विषय में ब्रिटिश पार्लियामेंट में भी चर्चा हुई। ब्रिटिश पार्लियामेंट में तत्कालीन भारत मंत्री ने यह कह कर अपना पल्ला झाड़ लिया कि यह व्यवस्था अंग्रेजों ने कायम नहीं की है, इसलिए इसे हटाने का प्रश्न ही उत्पन्न नहीं होता। कालांतर में भारत मंत्री के इस वक्तव्य का उत्तराखंड की जनता ने ऐसा प्रतिउत्तर दिया, जिसकी मिसाल दुनिया के इतिहास में कम ही पाई जाती है। 1916 में नैनीताल में कुमाऊं परिषद का गठन हुआ। तब कुमाऊं परिषद को 'कुमाऊं की कांग्रेस' कहा जाता था। इसी साल कुमाऊं परिषद का अल्मोड़ा में पहला अधिवेशन हुआ। इस अधिवेशन में कुली-बेगार कुप्रथा के विरोध में प्रस्ताव पास हुआ। इसके बाद गोविंद बल्लभ पन्त, हरगोविंद पन्त और बदरी दत्त पाण्डे ने कुली बेगार व्यवस्था के विरोध में गांव-गांव जन सभाएं करनी प्रारंभ कर दी। 1918 में कुमाऊं परिषद का हल्द्वानी में सम्मेलन हुआ। सम्मेलन की अध्यक्षता रायबहादुर तारा दत्त गैरोला ने की। इस सम्मेलन में ब्रिटिश सरकार को दो साल के भीतर कुली-बेगार प्रथा को बंद करने का नोटिस देने का निर्णय लिया गया। नोटिस में कहा गया कि यदि तय समयावधि में इस प्रथा को नहीं हटाया गया तो उत्तराखंड की जनता सत्याग्रह करेगी। इसी के साथ कुली- बेगार प्रथा के विरुद्ध गांव-गांव जन जागरण अभियान शुरू हो गया।

इसी कालखंड में भारत के राजनैतिक क्षितिज में महात्मा गांधी का पदार्पण हुआ। भारत की राजनीति में गांधी युग की शुरूआत हुई। 1918 में बदरीदत्त पाण्डे कोलकाता गए, वहां उन्होंने महात्मा गांधी से भेंट की और उन्हें उत्तराखंड के इस कुली कलंक से अवगत कराया। 1920 में हरगोविंद पन्त की अध्यक्षता में कुमाऊं परिषद का काशीपुर में अधिवेशन हुआ। अधिवेशन में कुली - उतार उन्मूलन का संकल्प पारित हुआ। इसी साल दिसंबर में कांग्रेस का नागपुर में अधिवेशन हुआ। इस अधिवेशन में बदरीदत्त पाण्डे, भुवनेश्वर पाण्डे, हरगोविंद पन्त, लाला चिरंजीलाल, लक्ष्मण दत्त भट्ट एवं शिवनंदन पाण्डे आदि पहाड़ के 22 नेता नागपुर गए। इन नेताओं ने गांधी जी से अल्मोड़ा आने का आग्रह किया। गांधी जी ने कहाः 'भाई मुझे बहुत काम है। मेरे कुर्मांचली भाइयों से कह दें कि कुली देना नहीं होता है।' एक अगस्त,1920 से गांधी जी ने ब्रिटिश साम्राज्य के विरुद्ध देशव्यापी असहयोग आंदोलन शुरू कर दिया था। उत्तराखंड में असहयोग आंदोलन कुली-बेगार विरोधी आंदोलन के रूप में अभिव्यक्त हुआ। 10 जनवरी,1921 को बदरी दत्त पाण्डे, हरगोविंद पन्त एवं लाला चिरंजीलाल के नेतृत्व में पचास नवयुवकों का दल बागेश्वर को कूच कर गया। 12 जनवरी की रात तक बागेश्वर में हजारों लोग एकत्र हो गए।

मकर संक्रांतिः आहार का विज्ञान और समाज संगठन का सूत्र

यह पर्व पुण्य देने वाला और पुण्य को बढ़ाने वाला होता है। वास्तव में सूर्य तो अपने अक्ष पर होता है, पृथ्वी और अन्य ग्रह उसके चारों और चक्कर लगाते हैं लेकिन ऐसा कहा जाता है कि जब सूर्य धनु राशि से मकर राशि में प्रवेश करता है यानी पृथ्वी से देखने पर सूर्य मकर राशि में दिखाई देने लगता है ।

गिरीश जोशी

आज के समय में हम लोग अपने भोजन को लेकर बड़े सजग हैं। खाने की हर चीज के बारे में उसकी कैलोरी को देखकर उसे खाने या ना खाने का फैसला लेते हैं। ऐसे में सवाल उठना लाजिमी हो जाता है कि संक्रांति के समय तिलझगुड़ और खिचड़ी क्यों खाना चाहिए, पतंग क्यों उड़ाते हैं। नई पीढ़ी के ढेर सारी सवालों का जवाब आज के विज्ञान की दृष्टि से देखने की कोशिश करते हैं तो ये दिखता है कि हमारे देश में सारे त्योहार प्राकृतिक घटनाओं से जुड़े हुए हैं। मुख्य रूप से ग्रह-नक्षत्रों की गति, अलग-अलग राशियों में भ्रमण के आधार पर उत्सव पर्व मनाए जाते हैं। शास्त्रों में लिखा है- ह्लमाघे मासे तु संप्राप्ते मकरं सूर्यगच्छति। तस्मात संक्रान्तिरित्युक्ता पुण्यदा पुण्यवर्धिनी॥

अर्थात - माघ मास में जब सूर्य मकर राशि में प्रवेश करता है, उसे मकर संक्रांति कहते हैं। यह पर्व पुण्य देने वाला और पुण्य को बढ़ाने वाला होता है। वास्तव में सूर्य तो अपने अक्ष पर होता है, पृथ्वी और अन्य ग्रह उसके चारों और चक्कर लगाते हैं लेकिन ऐसा कहा जाता है कि जब सूर्य धनु राशि से मकर राशि में प्रवेश करता है यानी पृथ्वी से देखने पर सूर्य मकर राशि में दिखाई देने लगता है तब मकर संक्रांति का उत्सव मनाया जाता है। मकर संक्रांति के बाद दिन बड़े होने लगते हैं और रात छोटी होने लगती है। यानी इस दिन से जीवन में प्रकाश का समय बढ़ने लगता है, अंधकार घटने लगता है। हमारी संस्कृति में प्रकाश को ज्ञान का प्रतीक भी माना जाता है अंधकार को अज्ञान कहा जाता है। संक्रांति का अर्थ है सम्यक क्रांती अर्थात योग्य दिशा में व्यक्ति और समाज का परिवर्तन। समाज को आत्मविस्मृति के अंधकार से बाहर निकाल कर, चेतना के जागृति के, सत्य के प्रकाश की ओर ले जाना सनातन संस्कृति का उद्देश्य है। इस लक्ष्य की याद समाज को करवाने के लिए मकर संक्रांति का उत्सव मनाया जाता है। मकर राशि में प्रवेश करने वाले सूर्य की महत्ता को बताने वाली एक सूक्ति हैझ ह्लनमः सूर्याय लोकाय लोकनाथाय भास्वते। सर्वरोगहरायैव मकरस्थाय ते नमः॥

अर्थात - लोकों को प्रकाशित करने वाले, लोकनाथ, तेजस्वी सूर्यदेव को नमस्कार है। मकर राशि में स्थित सभी रोगों को दूर करने वाले सूर्य को प्रणाम है। मकर संक्रांति पर तिल और गुड़ साथ में खाने की परंपरा है। शास्त्र कहते है - ह्लतिलगुडैः सह हर्षेण सूर्यपूजा विधीयताम मकरसंक्रान्तिकालेऽस्मिन सर्वे सन्तु निरामयाः॥

अर्थात मकर संक्रांति के अवसर पर तिल और गुड़ के साथ हर्षपूर्वक सूर्य की पूजा की जाए। इस पावन समय में सभी लोग स्वस्थ और निरोग रहें।

हमारे पूर्वज विज्ञान जानते थे। आज का विज्ञान कहता है तिल में उच्च मात्रा में कैलोरी, प्रोटीन और स्वस्थ वसा होती है, जो ठंडे मौसम में शरीर को ऊर्जा देती है। यह शरीर को गर्म रखने में मदद करता है। साथ ही तिल में कैल्शियम, मैग्नीशियम और जिंक जैसे मिनरल्स होते हैं, जो हड्डियों को मजबूत बनाने में मदद करते हैं। सर्दी में हड्डियों में दर्द और समस्याएँ बढ़ सकती हैं, लेकिन तिल इन समस्याओं को कम करने में मदद करता है। उसी तरह गुड के बारे में आज का विज्ञान कहता है कि गुड़ में प्राकृतिक गर्मी होती है, जो सर्दियों में शरीर को अंदर से गर्म रखने में मदद करती है। सर्दियों में कई बार शरीर में पानी की कमी और पाचन संबंधी समस्याएँ बढ़ जाती हैं और गुड़ इन समस्याओं को हल करने में मदद करता है। सर्दियों में शरीर की इम्युनिटी कमजोर हो सकती है और गुड़ में आयरन और फोलिक एसिड की मौजूदगी से शरीर में खून की कमी पूरी होती है। गुड़ में एंटीऑक्सिडेंट्स होते हैं, जो शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करते हैं। यह सर्दी, जुकाम और फ्लू जैसी मौसमी बीमारियों से बचाव में मदद करता है। इन वैज्ञानिक गुणों के कारण सर्दी में गुड़ और तिल खाने की परंपरा हमारे पूर्वजों ने स्थापित की।

खिचड़ी क्यों खाई जाती है–

मकर संक्रांति के समय शीत ऋतु अपने चरम पर होती है। इस मौसम में पाचन शक्ति कमजोर हो सकती है। खिचड़ी हल्का, सुपाच्य और गर्म भोजन है, जो शरीर को ठंड से संरक्षण देता है और पाचन को संतुलित रखता है। आयुर्वेदिक दृष्टि सेखिचड़ी में चावल और दाल का संयोजन होता है, जिसे आयुर्वेद में ह्लपूर्ण आहारह्व माना जाता है। दाल से प्रोटीन, चावल से ऊर्जा घी से बल और ओज मिलता है। शीत ऋतु में बढ़ने वाले वात और कफ के दोष को खिचड़ी संतुलित करती हैं। उत्तर भारत, विशेषकर प्रयागराज और पूर्वांचल क्षेत्रों में मकर संक्रांति को ह्लखिचड़ी पर्वह्व भी कहा जाता है। इस दिन खिचड़ी का दान पुण्यकारी माना जाता है। साधु-संतों और जरूरतमंदों को खिचड़ी खिलाने की परंपरा भी है।

खिचड़ी सादा और सर्वसुलभ भोजन है। इसे सभी वर्गों के लोग एक समान रूप से ग्रहण कर सकते हैं, इसलिए यह समरसता और समानता का प्रतीक भी मानी जाती है। संक्रांति पर खिचड़ी खाना शरीर को स्वस्थ रखने, ऋतु के अनुकूल आहार लेने और धार्मिक पुण्य अर्जित करने, संगठन और समरसता का भाव बढ़ाने का प्रतीक है।

मकरस्थे दिवाकरे दानस्नानतपःक्रियाः। कृताः कोटिगुणं पुण्यं ददाति नात्र संशयः॥

अर्थात - सूर्य के मकर राशि में स्थित होने पर किया गया दान, स्नान और तप करोड़ों गुना पुण्य प्रदान करता है, इसमें कोई संदेह नहीं। इसीलिए मकर संक्रांति के अवसर पर जरूरतमंदों को उनके लिए जरूरी चीजों का दान सक्षम और समर्थ लोगों को करने के लिए कहा गया है।

इस अवसर पर पतंग उड़ाने की परंपरा पीढ़ियों से चली आ रही है, ये भारतीय लोक संस्कृति का हिस्सा है। जो खुशी, उल्लास और उत्सव का प्रतीक है। पतंग उड़ाना एक हल्का व्यायाम है। खुले आकाश में रहने से मानसिक तनाव कम होता है। धूप में रहने से शरीर को विटामिन-ऊ मिलता है जिससे शरीर की रोग-प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है।

हमारी मान्यता है कि समाज में परिवर्तन, समन्वय और आत्मीयता पूर्ण व्यवहार से लाया जाना चाहिए। इसके लिए समाज के साथ संपर्क और समाज का संगठन जरूरी है। इस उत्सव में पहले लोग एक दूसरे के घरों पर संपर्क के लिए भेंट के लिए जाया करते थे वहां तिल और गुड़ का सेवन किया जाता था। महाराष्ट्र में आज भी कहा जाता है ह्लतिल गुड घ्या आणि गोड गोड बोलाह्ल इसका अर्थ है आइए तिल गुड खाइए और एक दूसरे से मीठा बोलिए, मधुर व्यवहार कीजिए, यही संगठन का भी मूल सूत्र है।

ऐतिहासिकता को भी प्रमाण चाहने वाला मनोविज्ञान !

इन फिल्मों की हर घटना, हर संवाद, और हर दृश्य को सूक्ष्मदर्शी यंत्र से परखा गया। विवादों का तूफान खड़ा किया गया, तथ्य-जांचकताओं की पूरी फौज लग गई, और मीडिया में बहसें चलती रहीं। अग्निहोत्री ने जब 'द कश्मीर फाइल्स' (2022) बनाई, तो उन्होंने लगभग चार वर्षों तक शोध किया।

मनोज श्रीवास्तव

कभी आपने देखा कि विवेक अग्निहोत्री या सुदीप्तो सेन या आदित्य धर आदि निर्देशकों को जब फिल्में बनाना होता है तो उसके पूर्व उन्हें इतिहास का बहुत अध्ययन करना पड़ा है, बहुत सी बारीकियों में उतरना पड़ा है पर किसी मुगल-ए-आजम या किसी जोधा अकबर को बनाने के लिए कभी इन परिशुद्धताओं की आवश्यकता नहीं पड़ी।

विवेक या सुदीप्तो या आदित्य से उनसे हर छोटी-छोटी बात के लिए ऐतिहासिक प्रमाण, दस्तावेज, और साक्ष्य मांगे गये। इन फिल्मों की हर घटना, हर संवाद, और हर दृश्य को सूक्ष्मदर्शी यंत्र से परखा गया। विवादों का तूफान खड़ा किया गया, तथ्य-जांचकताओं की पूरी फौज लग गई, और मीडिया में बहसें चलती रहीं। अग्निहोत्री ने जब 'द कश्मीर फाइल्स' (2022) बनाई, तो उन्होंने लगभग चार वर्षों तक शोध किया। उन्होंने 700 से अधिक कश्मीरी पंडित परिवारों से साक्षात्कार किए, उनके दर्द को समझा, दस्तावेजों का अध्ययन किया, और पुरानी रिपोर्ट्स, समाचार पत्रों और सरकारी अभिलेखों को खंगाला। फिल्म में दिखाए गए अधिकांश दृश्य वास्तविक घटनाओं पर आधारित हैं - जैसे बीके गंजू की हत्या, गिरजा टिक्कू की हत्या, और अन्य भीषण अत्याचार।

इसके बावजूद, फिल्म रिलीज होते ही विवादों में घिर गई। तथाकथित बुद्धिजीवियों, इतिहासकारों, और मीडिया के एक वर्ग ने फिल्म को ₹प्रोपेगेंडा₹ करार दिया। हर घटना को चुनौती दी गई, हर आंकड़े पर सवाल उठाए गए। यहां तक कि कश्मीरी पंडितों की पीड़ा को भी ₹अतिरंजित₹ बताया गया। विवेक अग्निहोत्री को बार-बार अपनी फिल्म के हर दावे को सिद्ध करना पड़ा, साक्ष्य प्रस्तुत करने पड़े, और जनसुनवाई में खड़ा होना पड़ा। द बंगाल फाइल्स बंगाल विभाजन (1947) के दौरान हुए नोआखाली नरसंहार और हिंदुओं पर हुए अत्याचारों को दिखाती है। जैसे ही फिल्म की घोषणा हुई या इसके निर्माण की बात आई, तुरंत विवाद शुरू हो गए। फिल्म निमार्ताओं से हर घटना के लिए दस्तावेजी सबूत मांगे गए। फिल्म को ₹सांप्रदायिक एजेंडा₹ बताया गया। कहा गया कि यह इतिहास को तोड़-मरोड़ कर पेश कर रही है। विभिन्न राजनीतिक और सामाजिक समूहों ने इसका विरोध किया। निर्माण टीम द्वारा 7000 से अधिक शोध पृष्ठों और 1000 से अधिक अभिलेखों का अध्ययन किया गया। 20,000 से अधिक पृष्ठों के दस्तावेजों और बचे हुए लोगों और उनके परिवारों के साक्षात्कार लिये। 1946 के भारतीय, अंतरराष्ट्रीय, अमेरिकी और ब्रिटिश समाचार पत्रों की गहन जांच की। महीनों विभिन्न शहरों और गांवों का दौरा किया गया। लोगों से साक्षात्कार लिये, स्थानीय संस्कृति और इतिहास का अध्ययन किया, और बंगाल के हिंसक इतिहास के मूल कारण को समझने की कोशिश की।

अग्निहोत्री ने बताया कि जब वे उस समय के समाचार पत्रों की जांच कर रहे थे, तो कुछ छवियों ने उन्हें बहुत बुरी तरह प्रभावित किया। उन्हें यह जानकर भी सदमा लगा कि डायरेक्ट एक्शन डे में लगभग 40,000 लोग केवल दो रातों में मारे गए, और कोलकाता की सड़कों पर एक महीने से अधिक समय तक मानव शव पड़े रहे क्योंकि उन्हें साफ करने के लिए कोई नहीं बचा था, अधिकांश सफाई कर्मचारी मारे जा चुके थे। उनकी टीम को बहुत सारी बाधाओं का सामना करना पड़ा, जिसमें कोलकाता में एक होटल में हिरासत में लिया जाना भी शामिल था। सुदीप्तो सेन की ह्यद केरल स्टोरीह्ल जो केरल में लव जिहाद और आईएसआईएस में भर्ती की कहानी बताती है, को तुरंत ₹झूठी₹ और ₹भ्रामक₹ करार दिया गया। आंकड़ों पर विवाद हुआ, और फिल्म निमार्ताओं को संख्याओं में संशोधन करना पड़ा। आलोचनाओं से निपटने से कहीं अधिक कठिन था फिल्म बनाने में हुआ विरोध। सुदीप्तो ने शोध के लिए केरल में लगभग 10 वर्षों तक काम किया। यह एक असाधारण लंबी अवधि है जो उनकी प्रतिबद्धता को दशार्ती है। 2018 में सुदीप्तो ने एक विवादास्पद डॉक्यूमेंट्री फिल्म 'इन द नेम ऑफ लव - मेलानकॉली ऑफ गॉड्स ओन कंट्री' बनाई थी जो धार्मिक रूपांतरण और लव जिहाद पर थी, जिसे लंदन इंडिपेंडेंट फिल्म फेस्टिवल में सर्वश्रेष्ठ फिल्म पुरस्कार मिला। उन्होंने केरल के हर जिले की यात्रा की, और एक बार उन्हें एक बचकर रहना पड़ा जब उन्हें पता चला कि उनके होटल पर हमला हो सकता है। वास्तविक युवा महिलाओं से मुलाकात की जो धार्मिक रूपांतरण से बच निकली थीं और आर्ष विद्या समाजम आश्रम द्वारा उनकी देखभाल की जा रही थी। सेन ने एक विशेष रूप से मार्मिक घटना साझा की जब उन्होंने पहली बार श्रुति से एक छोटे से गांव में मुलाकात की, तो उसके घर में बिजली नहीं थी क्योंकि कनेक्शन काट दिया गया था। जब भी वह सब्जियां खरीदने बाहर जाती, लोग उसका बैग छीन लेते। सेन को उनसे उनके घर की एक छोटे खिड़की के माध्यम से साक्षात्कार करना पड़ा क्योंकि वे बाहर आने से डरती थीं। 17 मई को मुंबई के रंग शारदा ऑडिटोरियम में 26 साहसी लड़कियों को केरल से विशेष रूप से इस अवसर के लिए बुलाया गया। अभिनेत्री अदा शर्मा ने निर्देशक द्वारा दिखाए गए वीडियो की भयावहता का खुलासा किया जिसमें लड़कियों और उनके बच्चों को टैंकरों में 16 घंटे तक बिना खाने, पीने या खुद को राहत देने के तरीके के बिना कपड़ों के ढेर की तरह जमा किया जा रहा था। जब तक वे अपने गंतव्य पर पहुंचते, कुछ मर चुके होते थे और अधिकांश आधे-मरे हुए होते थे। उधर, मुगल-ए- आजम को ले लें। इतिहासकारों में आम सहमति है कि अनारकली नाम की कोई दरबारी नर्तकी का कोई विश्वसनीय ऐतिहासिक साक्ष्य नहीं है। यह कहानी लोककथाओं और बाद के साहित्य से उत्पन्न हुई प्रतीत होती है। अकबर के समकालीन इतिहासकार अबुल फजल ने 'आइन-ए-अकबरी' में ऐसी किसी घटना का उल्लेख नहीं किया। अकबर के शासनकाल में हुए बनी मुंडों की मीनारें, चित्तौड़ का नरसंहार, और अन्य क्रूर घटनाओं को मुगले आजम में सरासर नजरअंदाज किया गया और दरबारी संस्कृति का रूमानीकरण किया गया। मुगल दरबार को अत्यंत भव्य और सभ्य दिखाया गया, जबकि उस समय की हकीकत कहीं अधिक जटिल और कठोर थी। क्या 'मुगल-ए-आजम' के निमार्ताओं से कभी यह पूछा गया कि अनारकली के अस्तित्व का प्रमाण क्या है? क्या उन्हें यह सिद्ध करना पड़ा कि दीवार में चुनवाने की घटना सत्य है? नहीं। फिल्म को ₹कलात्मक स्वतंत्रता₹ के नाम पर स्वीकार किया गया और इसे एक क्लासिक बना दिया गया। जोधा अकबर तो ऐतिहासिक विरूपण का और भी बड़ा उदाहरण है। अकबर की पत्नी का नाम 'जोधा' था या नहीं, यह अत्यंत विवादास्पद है। अधिकांश इतिहासकारों का मानना है कि अकबर की राजपूत पत्नी का नाम 'हरका बाई' या 'हीर कुंवरी' था, जो बाद में 'मरियम-उज-जमानी' कहलाईं। 'जोधा' नाम का कोई ऐतिहासिक साक्ष्य नहीं है। अकबर को एक अत्यंत उदार, धर्मनिरपेक्ष और प्रगतिशील शासक के रूप में दिखाया गया, जबकि उसके द्वारा किए गए नरसंहारों और क्रूरताओं को पूरी तरह नजरअंदाज किया गया। फिल्म रिलीज हुई, तो राजस्थान और अन्य राज्यों में राजपूत समुदाय ने इसका विरोध किया। उन्होंने फिल्म को ऐतिहासिक रूप से गलत बताया। लेकिन मीडिया और बुद्धिजीवियों ने इस विरोध को ₹असहिष्णुता₹ करार दिया। फिल्म निमार्ताओं को अपने दावों को सिद्ध करने की जरूरत नहीं पड़ी।

मकर संक्रांति पर एकादशी का संयोग

मकर सक्रांति का त्योहार भारत में बड़े ही धूमधाम से मनाया जाता है। इस दौरान लोग ना सिर्फ पतंगबाजी करते हैं बल्कि इस दिन पर स्नान, दान आदि का भी बहुत महत्व है, खासकर इस दिन खिचड़ी का दान किया जाता है। मगर, इस साल मकर सक्रांति पर एकादशी भी पड़ रही है।

14 जनवरी को मकर संक्रांति और षटतिला एकादशी का एक साथ पड़ना एक विशेष धार्मिक संयोग है। इसी कारण लोगों के मन में यह असमंजस है कि खिचड़ी का दान और सेवन कैसे किया जाए, क्योंकि परंपरा के अनुसार एकादशी के दिन चावल का सेवन और दान वर्जित माना जाता है जबकि मकर संक्रांति पर खिचड़ी दान का विशेष महत्व है।

क्यों किया जाता है खिचड़ी का दान?

शास्त्रों में कहा गया है कि मकर संक्रांति पर अन्न दान करने से अक्षय पुण्य मिलता है। खिचड़ी दान विशेष रूप से शुभ माना गया है, क्योंकि यह सात्त्विक और सभी के लिए सुलभ भोजन है। माना जाता है कि इस दिन खिचड़ी दान करने से घर में कभी अन्न-धन की कमी नहीं होती।

क्या करें?

अगर आप खिचड़ी या चावल का दान नहीं कर सकते तो इस दौरान तिल-गुड़, घी, मूंग की दाल, तिल के बने लड्डू आदि का दान करें। इसे अलावा आप तिल से बनी खिचड़ी व वस्त्र भी दान कर सकते हैं।

व्रत में खिचड़ी का सेवन कैसे करें?

अगर आप षटतिला एकादशी का व्रत कर रहे हैं तो उस दिन चावल से बनी खिचड़ी का सेवन ना करें। ऐसे में आप फलाहारी व्रत रख सकते हैं। इसके अलावा आप साबूदाना खिचड़ी भी बनाकर खा सकते हैं।

टिप्स

Fast Food बना रहा शरीर को खोखला

भागदौड़ भारी जिंदगी में हम सभी अपनी सेहत का ख्याल बिल्कुल भी नहीं रखते हैं। बिजी लाइफस्टाइल के कारण लोग अपने खानपान पर इतना ध्यान नहीं देते हैं। इन सब के कारण कहीं न कहीं हेल्दी खान-पान तो छूटता ही जा रहा है। धीरे-धीरे लोग हेल्दी डाइट पर जोर दे रहे हैं। वैसे सोशल मीडिया पर आपको हेल्दी डाइटिंग की कई रील्स देखने को मिल जाएगी। हालांकि, कुछ लोग जिनका जिनका गुजारा फास्ट फूड के बिना नहीं होता। लोग न्यूट्रिशन से भरपूर डाइट को इग्नोर करके स्वादिष्ट फास्ट फूड का सेवन करना चाहते हैं, हालांकि क्या आप जानते हैं कि इसका सेहत पर क्या असर पड़ता है। चलिए आपको बताते हैं फास्ट फूड का सेवन करने से सेहत पर क्या असर पड़ता है।

फास्ट फूड खाने से शरीर को क्या नुकसान होते हैं?

- वैसे तो फास्ट फूड का सेवन करना हम सभी को काफी अच्छा लगता है, लेकिन यह हमारी सेहत के लिए ठीक नहीं होता है। इसमें काफी मात्रा में तेल, नमक, चीनी और मसाले होते हैं, जो शरीर को नुकसान पहुंचता है।
- हेल्थ एक्सपर्ट के मुताबिक, अगर आप रोजाना फास्ट फूड का सेवन करते हैं, तो आपका वजन तेजी से बढ़ने लगता है। मोटापा बढ़ने से थकान, सांस लेने में दिक्कत और शरीर में आलस जैसी समस्या होने लगती है।
- फास्ट फूड का नियमित और अधिक सेवन पाचन तंत्र पर नकारात्मक असर पड़ता है। इससे पेट सही तरह से काम नहीं कर पाता और गैस, एसिडिटी, पेट दर्द व कब्ज जैसी परेशानियां बार-बार होने लगती हैं। ज्यादा फास्ट फूड खाने से आंतों की कार्यक्षमता घट सकती है और धीरे-धीरे लिवर में चर्बी जमा होने का खतरा भी बढ़ जाता है।
- यदि आप अधिक फास्ट फूड खाती हैं तो इसकी वजह से हार्ट हेल्थ पर असर पड़ता है। ज्यादा तला-भुना और नमक वाला खाना खाने से कोलेस्ट्रॉल बढ़ने लगता है।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website : www.metrorays.in**
email : metrorays.ranchi@gmail.com

दुमका में आज और कल दोनों दिन मनेगी मकर संक्रांति

तिलकुट की सोंधी खुशबू से महक रहा बाजार

- तिलकुट-गजक के अलावा चूड़ा-गुड़ की जमकर हुई खरीदारी

संवाददाता

दुमका : मकर संक्रांति को लेकर दुमका में उत्साह का माहौल है, बाजारों में लोगों की चहल-पहल देखने को मिल रही है। इस बार जिले में मकर संक्रांति दो दिन मनायी जा रही है। मकर संक्रांति का त्योहार 14 व 15 को मनाया जा रहा है। पर्व को लेकर मंगलवार को खरीदारी के लिए बाजार में लोगों की भीड़ लगी रही। देर शाम तक लोग तिलकुट, चूड़ा, दही के अलावा तिल के लड्डू के साथ-साथ चूड़ा और मुढ़ी के बने लड्डू की बिक्री हुई। ऐसी मान्यता है कि इस दिन तिल का सेवन करना काफी शुभ माना जाता है। यह पर्व सूर्य का मकर राशि में प्रवेश करने का प्रतीक माना जाता है। त्योहार को लेकर बाजार में काफी समय से

तिलकुट की बिक्री हो रही थी। चौक-चौराहों पर अस्थायी दुकानें लगाकर दुकानदार सामानों की बिक्री कर रहे है। बाजार में कतरनी चूड़ा की मांग सबसे ज्यादा है। लोग इसकी खरीदारी भी कर रहे है। दुकानदार ने बताया कि चूड़ा की कई किस्में बाजार में है लेकिन सबसे ज्यादा मांग कतरनी चूड़े की है। सामान्य चूड़ा 36 रुपए किलो बिक रहे हैं। वहीं अच्छी क्वालिटी का चूड़ा 40 रुपए प्रति किलो बिक रहा है। साथ ही कतरनी चूड़ा 100 से 120 रुपए प्रति किलो बिक रहे हैं। इसके अलावा लोग अपने घरों में भी तिल-गुड़ के लड्डू और पारंपरिक व्यंजन बनाते हैं। इस पर्व में सबसे ज्यादा मांग दही की रहती है। लोग समय से पहले ही दही की एडवांस बुकिंग भी कर लेते हैं, ताकि समय पर उन्हें दही उपलब्ध हो सके। पर्व के अवसर पर नदी, तालाबों में श्रद्धालू स्नान कर दान भी करते हैं, इस पर्व में दान का विशेष महत्व होता है।

भगवान सूर्य के उत्तरायण में पहुंचते ही शुरू हो जाते हैं मांगलिक कार्य : मकर संक्रांति से ही सृष्टि में महत्वपूर्ण परिवर्तन होना प्रारंभ हो जाता है। इस दिन से ही भगवान सूर्य के उत्तरायण होते हैं और इसी के साथ देवताओं के दिन भी शुरू हो जाते हैं। इस दिन से ही खरमास समाप्त हो जाता है और शादी-विवाह जैसे कई मांगलिक कार्य की शुरूआत हो जाती है। भगवान सूर्य के उत्तरायण होने पर ठंड से परेशान संसार के जीव-जंतु को राहत मिलने लगती है।

कार्टून कैरेक्टर वाले पतंग की डिमांड :मकर संक्रांति के दिन पतंग उड़ाने की परंपरा हमेशा से रही है। इस दिन लोग पतंग उड़ाना शुभ मानते हैं। बच्चे भी काफी उत्साह के साथ पतंग उड़ाते हैं और एक-दूसरे की पतंग को बड़े उत्साह के साथ काटते भी हैं। आसमान में इस दिन सिर्फ रंग-बिरंगे पतंग ही देखने को मिलते हैं। बाजार में भी रंग-बिरंगे पतंग की बिक्री भी हुई। पतंग के विक्रेता श्रवण स्टोर के मालिक श्रवण सर्राफ ने बताया कि बच्चों को कार्टून कैरेक्टर के बने डिजाइन के पतंग खूब पसंद आ रहे हैं और वो इनकी खरीदारी भी कर रहे हैं। इसमें मिकी माउस, मोटू-पतलू, बेन टेन और 2026 लिखा हुआ पतंग की सबसे ज्यादा हो रही है।

राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह सीख में सुरक्षा तकनीक से परिवर्तन

रिफ्लेक्टिव टेप के प्रयोग से अंधेरे में वाहन दूर से ही दिखाई देते हैं

संवाददाता

साहिबगंजः राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 2026 के तहत साहिबगंज जिले में सड़क सुरक्षा को लेकर व्यापक जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में आज जिले के सभी प्रमुख क्षेत्रों में दोपहिया,तिपहिया टोटो,ऑटो सहित छोटे-बड़े वाहनों में रिफ्लेक्टिव टेप पारावर्तक पट्टी लगाए गए। इस पहल का उद्देश्य रात्रि, कोहरे व धुंध के दौरान वाहनों की स्पष्ट पहचान सुनिश्चित कर सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाना है। रिफ्लेक्टिव टेप के प्रयोग से अंधेरे में वाहन दूर से ही दिखाई देते हैं जिससे दुर्घटना की आशंका कम होती है। जिला परिवहन पदाधिकारी ने बताया कि 1 से 31 जनवरी 2026 तक जिले में सड़क सुरक्षा को लेकर निरंतर जन-जागरूकता अभियान चलाया

जाएगा। इस दौरान नुक्कड़ नाटक, प्रभात फेरी, खेल प्रतियोगिता एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को सड़क सुरक्षा नियमों के प्रति जागरूक किया जाएगा।जिला सड़क सुरक्षा प्रबंधक नीरज कुमार साह ने सभी वाहन चालकों से अपील की कि वे वाहन चलाते समय हेलमेट एवं सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से प्रयोग करें, यातायात नियमों का पालन करें तथा जिम्मेदार नागरिक बनकर सड़क सुरक्षा में सहयोग दें। मौके पर एम।वी।आई। कुमार उत्कर्ष एवं अभिषेक मुंडा, जिला सड़क सुरक्षा प्रबंधक नीरज कुमार साह, कार्यालय लिपिक, रोड इंजीनियर एनालिस्ट अनुज पराशर, आईटी सहायक राजहंस सहित अन्य कर्मी उपस्थित थे।

जमालपुर बसनापथ निर्माण कार्य का निरीक्षण, ग्रामीणों में खुशी

संवाददाता

साहिबगंज/बरहरवाःजमालपुर ब्रिज से जमालपुर गांव होते हुए आरईओपथ बसना तक बन रहे सड़क निर्माण कार्य का मंगलवार को विधायक प्रतिनिधि बरकतुल्लाह खान ने अपने सहयोगी कार्यकताओं के साथ स्थल निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्माण कार्य की गुणवत्ता, प्रगति एवं समयबद्ध पूर्णता को लेकर संबंधित विभागीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उल्लेखनीय है कि इस महत्वपूर्ण सड़क निर्माण कार्य को मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत पूर्व ग्रामीण विकास मंत्री आलमगीर आलम द्वारा अनुशंसा कर स्वीकृति दिलाई गई थी।यह सड़क वर्षों से क्षेत्रवासियों की प्रमुख मांग रही थी,जो अब साकार होती दिख रही है।

सड़क निर्माण पूर्ण होने के पश्चात बसना एवं आसपास के गांवों के ग्रामीणों को आवागमन में बड़ी सुविधा मिलेगी।अब उन्हें लंबी दूरी तय नहीं करनी पड़ेगी, जिससे समय की बचत के साथ-साथ परिवहन व्यवस्था भी सुलभ होगी। विशेष रूप से बरहरवा श्रीकुंड एवं प्रखंड मुख्यालय आने-जाने में ग्रामीणों को काफी सहूलियत मिलेगी। निरीक्षण के दौरान उपस्थित ग्रामीणों ने सड़क निर्माण की पहल के लिए पूर्व ग्रामीण विकास मंत्री आलमगीर आलम के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सड़क उनके क्षेत्र के विकास की नई राह खोलेगी। ग्रामीणों ने दिल से धन्यवाद देते हुए शीघ्र कार्य पूर्ण होने की आशा जताई। विधायक प्रतिनिधि बरकतुल्लाह खान ने कहा कि क्षेत्र का समुचित विकास उनकी प्राथमिकता है और जनता की सुविधाओं से जुड़े कार्यों में कोई लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने भरोसा दिलाया कि सड़क निर्माण कार्य गुणवत्ता के साथ तय समय सीमा में पूरा कराया जाएगा।ि जससे स्थानीय लोगों को लाभ मिलेगा।

आग लगने से गरीबों की पांच झोपडी जलकर राख

संवाददाता

साहिबगंजःजिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र अंतर्गत बड़ा लोहड़ा में आग लगने से गरीबों की पांच झोपडी जलकर राख हो गयी। आग में अपना सबकुछ गंवा चुके बबलू मुर्मू ने बताया कि घटना के समय वह वहां नहीं था। आग कैसे लगी यह पता नहीं है। उन्होंने संभावना जताते हुए बताया कि उसके घर के ऊपर से विद्युत विभाग का तार गया हुआ है। संभवत उसी से आग लगी होगी। उन्होंने बताया कि इस घटना में उसका टीवी,फ्रिज,

कूलर,पंखा,बैटरी सहित कई समान जलकर बर्बाद हो गया।बताया कि उसे करीब चार लाख का नुकसान हुआ है। अग्नि पीड़ितों ने जिला प्रशासन से मुआवजे की मांग की है।

डॉ सूर्यानंद ने जरूरतमंद आदिवासी ग्रामीणों के बीच किया कंबल वितरण

संवाददाता

साहिबगंजः कड़ाके की ठंड के बीच मानवता की मिसाल पेश करते हुए पोद्दार होमियो क्लीनिक के चिकित्सक डॉ सूर्यानंद ने मंगलवार को जरूरतमंद आदिवासी ग्रामीणों के बीच कंबल का वितरण किया।मशहूर होमियोपैथिक चिकित्सक और समाजसेवी डॉ सूर्यनंद पोद्दार ने मंगलवार की अहले सुबह जलेबिया घाटी के ऊपर आदिवासी पहाड़िया गांव अदरो पहुंचकर करीब 50 पहाड़िया ग्रामीणों को कंबल दिया। ठंड से

कांपते हाथों से जब बुजुर्गों ने कंबल थाम कर में डॉ सूर्यानंद के प्रति आभार व्यक्त किया। डॉ सूर्यानंद पोद्दार ने कहा कि पोद्दार होमियो क्लिनिक की ओर से गरीब आदिवासी ग्रामीणों के बीच कंबल के साथ आवश्यक दवाइयों का भी वितरण किया जाता है।उन्होंने कहा कि जरूरतमंदों के चेहरे पर राहत देखकर उन्हें शांति और सुकून मिलता है,यही सेवा का सबसे बड़ा पुरस्कार है। बताया कि गांव के वृद्ध व लाचार आदिवासी महिला-पुरुषों के बीच कंबल का वितरण किया गया।कार्यक्रम में मनोज कुमार गुप्ता,प्रवीण कुमार सहित कई ग्रामीण मौजूद थे।

अविनाश वर्मा को यूपीएससी इंजीनियरिंग सर्विस में छठा स्थान

संवाददाता

साहिबगंजःअविनाश वर्मा ने एक साधारण परिवार से निकल कर देश के सबसे बड़ी प्रतियोगिता परीक्षा यूपीएससी के इंजीनियरिंग सर्विस में छठा स्थान हासिल कर यह साबित किया कि प्रतिभा आभाव का मोहताज नहीं होती।अविनाश साहिबगंज के सकरोगढ़ के रहने वाले रवि वर्मा के छोटे पुत्र हैं।रवि वर्मा पोस्ट ऑफिस में कलेक्शन एजेंट के रूप में काम करते हैं। जिनके परिवार ने हमेशा आर्थिक तंगी का सामना किया।ऐसे में अविनाश वर्मा ने यूपीएससी कि परीक्षा में छठा स्थान हासिल कर ना केवल अपने परिवार बल्कि पूरे साहिबगंज का नाम रौशन किया हैं। इतना ही नहीं इंजीनियरिंग सर्विस से यूपीएससी पास करने वाले साहिबगंज का यह

पहला युवा हैं। 2012 में संत जेवियर स्कूल से दसवीं पास करने के बाद इन्होने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा,बोकारो से इंटर और रांची बीआईटी मेसरा से मैकेनिकल इंजीनियरिंग कि पढ़ाई पूरी कि।अविनाश ने इससे पहले गेट परीक्षा भी पास किया था और देश के बड़े बड़े कंपनी में सेवा दे चूका हैं।अंततः इन्होने यूपीएससी कि परीक्षा देने का निश्चय किया और परिणाम उम्मीद से अधिक निकला।अविनाश वर्मा की इस सफलता से माता-पिता,बड़े भाई आकाश वर्मा,परिजनों व मित्रों में हर्ष व्याप्त है। अविनाश वर्मा ने अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता,बड़े भाई आकाश वर्मा,परिजनों व शिक्षकों को दिया है। उन्होंने बताया कि उनकी सफलता में बड़े भाई अविनाश का अहम रोल है। माता-पिता व बड़े भाई ने उन्हें इस मुकाम पर पहुंचाने में कड़ी मशक्कत की।अविनाश वर्मा ने बताया कि उनके बड़े भाई एचडीएफसी बैंक में डीएम के पद पर हैं और फिलहाल दिल्ली में पोस्टेड हैं।वही अविनाश वर्मा कि सफलता पर पूरा परिवार सहित आस पास के लोग उन्हें बधाई देने पहुंच रहे है। मौके पर अविनाश वर्मा के पिता रवि वर्मा,माँ पूनम वर्मा नानी मीणा देबी,मामी पिंकी देवी,राजू अंसारी,अंसारुल अंसारी,हलीफ अंसारी,प्रदीप मंडल,रमण वर्मा,अजय कुमार गुप्ता,प्रयाग चौधरी,अजीत कुमार गुप्ता,मो अब्बास,श्रवण मोदी,पूर्व वार्ड पर्षद उपेंद्र राय सहित अन्य लोग मौजूद थे।

संताली भाषा व सांस्कृतिक संगठन की आयोजित बैठक संपन्न

संवाददाता

दुमकाः भारत की तीसरी सबसे बड़ी आदिवासी जनजाति संताल समुदाय के पारंपरिक व मूल संताली भाषा-साहित्य का संरक्षण, संवर्द्धन और विकास सुनिश्चित करने के उद्देश्य को लेकर प्रबुद्ध संताली भाषा प्रेमी व ज्ञाता सह संताली लैंग्वेज एंड कल्चरल ऐशोशियेशंस के केन्द्रीय कमिटी की एक महत्वपूर्ण बैठक सोमवार को कड़हरबील में ऐशोशियेशंस के अध्यक्ष बनार्बास भूषण किस्कू के अध्यक्षता में संपन्न हुआ। बैठक पर उपस्थित प्रबुद्ध संताली ज्ञाताओं ने बदलते परिवेश में पारंपरिक व मूल संताली भाषा पर बाहरी मिश्रण व प्रदूषण से हो रहे विलोपन के प्रति अत्यधिक चिंता जाहिर करते हुए संताली भाषाई उच्चारण, भावार्थ जैसे अन्य आवश्यक पहलुओं को प्रदूषणमुक्त रखने के लिए लगातार संताली भाषा-साहित्य का विकास और पठन-पाठन को बढ़ावा देने का संकल्प लिया। इस संदर्भ में उन्होंने यह भी निर्णय लिया कि संताली भाषा-साहित्य व कल्चरल से संबंधित कार्याक्लाप करने वाले स्थानीय सामाजिक जनसंगठन, संस्था, संघ, ट्रस्ट के साथ निरंतर नेटवर्किंग और आपसी समन्वय स्थापित कर संताली भाषा का पठन-पाठन जैसी सेवाएं और सुविधाएं आमजनों व छात्र-छात्राओं के लिए उपलब्ध कराने का पहल करेंगे। इस मौके पर प्रबुद्ध संताली ज्ञाता के रुप में एन्नौसेंट सोरेन, शिवलाल बी। मरांडी, इग्नाशियुस मरांडी, माईकेल हांसदा, हाबिल मुर्मू व दानिएल हाँसदा उपस्थित थे।

न्यूज IN ब्रीफ

बंद घर का ताला तोड़कर चोरी

दुमकाः शहर के शिवसुंदरी रोड में चोरों ने एक बार फिर बंद घर को निशाना बनाया है। चोरों ने ताला तोड़कर घर में रखा सारा कीमती सामान समेट लिया। गृहस्वामी राधेश्याम सिंह अक्तूबर माह से घर में ताला लगाकर अपने बेटे के पास बेंगलुरु में इलाज कराने गए हुए हैं। घटना की जानकारी धनबाद में रह रही उनकी बेटी को दी गयी है। उनके बुधवार को शहर पहुंचने के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि चोर कितने लाख रुपये का सामान ले गए हैं। जानकारी के अनुसार राधेश्याम सिंह पहले वीर कुंवर सिंह चौक के पास पान मसाला की थोक दुकान चलाते थे। बेटे की बेंगलुरु स्थित बैंक में नौकरी लगने के बाद उन्होंने कारोबार बंद कर दिया। इसके बाद पैरों के इलाज के लिए अक्तूबर माह में बेटे के पास चले गए और घर में ताला लगा दिया था। मंगलवार दोपहर करीब चार बजे पड़ोसियों ने घर का ताला टूटा हुआ देखा। इसकी सूचना तुरंत नगर थाना पुलिस को दी गयी। मौके पर पहुंची पुलिस ने घर के अंदर जांच की। चोरों ने अलमारी, पलंग और बक्सों को पूरी तरह खंगाल डाला। जो भी कीमती सामान हाथ लगा, उसे लेकर चंपत हो गए। घर में रखे जेवरात के खाली डिब्बे पड़े मिले हैं। मुहल्ले के लोगों ने घटना की जानकारी धनबाद में रह रही बेटी को दी। चोरी की सूचना मिलते ही उसने बताया कि वह बुधवार को पति के साथ आकर घर का पूरा सामान देखेगी। अनुमान लगाया जा रहा है कि चोर लाखों रुपये मूल्य का सामान ले गए हैं। इस संबंध में पुलिस का कहना है कि घर में चोरी की पुष्टि हुई है। चोरी गए सामान का सही आकलन गृहस्वामी या परिजनों के आने के बाद ही हो सकेगा। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

सांसद व विधायक की पहल पर प्रखंड उपाध्यक्ष ने जरूरतमंदों के बीच किया वितरण कंबल

साहिबगंज/तीनपहाड़ःसर्दी के भीषण कहर को देखते हुए राजमहल सांसद विजय हांसदा और राजमहल विधायक एमटी राजा के पहल पर तीनपहाड़ क्षेत्र के विभिन्न पंचायतों मे झारखंड मुक्ति मोर्चा के कार्यकर्त्ताओ द्वारा ठंड से बचने के लिए हर जरूरतमंदों के बीच कंबल का वितरण किया जा रहा है। इसी क्रम में मंगलवार को पार्टी के प्रखंड उपाध्यक्ष मुर्शिद राजा ने दर्जनों महिलाएं एवं पुरुषों के बीच कंबल का वितरण किया।मौके पर उन्होंने कहा कि क्षेत्र के सम्मानित जनप्रतिनिधियों का विचार है कि हर जरूरतमंदो तक यह कार्य जारी रहेगा।ताकि इस भीषण ठंड से किसी को परेशानी ना हो।मौके पर झारखंड मुक्ति मोर्चा के शाहिद रिजवी,संजय महतो, जॉय सोरेन,सोले मरांडी,राशिद अली नुरुल अमीन सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे

सड़क सुरक्षा माह के तहत नुक्कड़ नाटक-सह-जागरूकता कार्यक्रम

देवघरः सड़क सुरक्षा माह 2026 के तहत नुक्कड़ नाटक-सह-जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान जिले के देवीपुर हाट,एम्स एवं रजपुरा झुमराबाद के भीर-भार वाले स्थान में सड़क सुरक्षा आधारित नुक्कड़ नाटक के माध्यम से आम लोगों को सड़क दुर्घटना के कारण जैसे हेलमेट का उपयोग न करना, सीट बेल्ट न बांधना , नशा पान कर वाहन चलाना, तेज गति से वाहन चलाना इत्यादि के बारे में कलाकारों द्वारा कला प्रदर्शन कर आम लोगों को यातायात एवं सड़क सुरक्षा नियमो के प्रति सतर्क किया गया। साथ ही लोगों को बताया कि दुर्घटना कब होगी ये किसी को पता नहीं रहता है, यदि आप वाहन सावधानी पूर्वक चलाएंगे एवं सभी यातायात नियमों का पालन करेंगे तो दुर्घटना का शिकार नहीं होंगे। इस दौरान कार्यक्रम में उपस्थित सभी ग्राम वासी नाटक के माध्यम से जागरूक हुए एवं परिवहन विभाग की ओर से चलाये जा रहे जागरूकता कार्यक्रम को ग्रामीणों के द्वारा अच्छी पहल बताया गया।

सड़क सुरक्षा माह 2026 के तहत रक्तदान शिविर का आयोजन

दुमकाः सड़क सुरक्षा माह 2026 के अंतर्गत जिले में लगातार जन-जागरूकता से जुड़ी विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की जा रही हैं। इसी क्रम में सोमवार को स्थानीय ब्लड बैंक में एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में आमजनों ने भाग लिया। इस अवसर पर जिला परिवहन पदाधिकारी, दुमका ने स्वयं रक्तदान कर युवाओं एवं वाहन चालकों को एक सशक्त संदेश दिया। उन्होंने कहा कि युवा एवं वाहन चालक सड़क पर लापरवाही से वाहन चलाकर अपना बहुमूल्य रक्त दुर्घटनाओं में बर्बाद न करें, बल्कि सड़क पर सुरक्षित चलें और रक्तदान कर पुण्य के भागी बनें। साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि रक्तदान से सड़क दुर्घटना के शिकार लोगों के लिए रक्त की आवश्यकताओं की पूर्ति संभव हो पाती है। सड़क सुरक्षा माह के तहत दुमका जिले में लगातार जागरूकता कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। इसी कड़ी में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, जरमुंडी द्वारा भी रक्तदान शिविर का आयोजन कर रक्त संग्रह का कार्य किया गया तथा आम लोगों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया।

कार्यक्रम में सड़क सुरक्षा समिति के सदस्य, ब्लड बैंक के सदस्यगण एवं कई समाजसेवी उपस्थित रहे।

इस दिन रिलीज होगी

1300 करोड़ी 'वाराणसी'!

हर साल कई बड़ी और छोटे बजट की फिल्में सिनेमाघरों में दस्तक देती हैं. पर हर किसी की नजरें उन महंगी फिल्मों पर हैं, जिन्हें बनाने में ही 1000 करोड़ से ज्यादा लगाए जा रहे हैं. भारतीय सिनेमा की दूसरी सबसे महंगी फिल्म 'वाराणसी' का कहा जा रहा है. जिसका बजट 1300 करोड़ बताया गया है. वहीं, फिल्म का ग्रैंड लेवल पर लॉन्च इवेंट हुआ था, लेकिन अब रिलीज डेट भी पता लग गई है. एस.एस राजामौली की यह प्लानिंग रंग लाने वाली है. ऐसा क्यों कहा जा रहा है? आइए आपको समझाते हैं. इस वक्त जिन 3 फिल्मों की सबसे ज्यादा बातें हो रही हैं, वो है- रणबीर कपूर की 'रामायण', दूसरी- महेश बाबू की 'वाराणसी' और तीसरी- अल्लू अर्जुन की . इन तीनों फिल्मों के चर्चा में रहने की वजह है फिल्म का बजट. पर हम आज एस.एस राजामौली की अपकमिंग फिल्म की बात करेंगे, जो भारतीय सिनेमा की दूसरी सबसे बड़ी महंगी फिल्म कही जा रही है. पिक्चर का बजट 1300 करोड़ बताया गया है. वहीं फिल्म का लॉन्च इवेंट भी हो चुका है, जिसे ग्रैंड लेवल पर किया गया था. वहीं फिल्म में महेश बाबू और प्रियंका चोपड़ा एक साथ आ रहे हैं. जबकि, पृथ्वीराज सुकुमारन भी नेगेटिव रोल में दिखाई देने वाले हैं. यह तो पहले ही पता लग गया था कि फिल्म साल 2027 में रिलीज की जाएगी. जिस पर फिलहाल काम चल रहा है. लेकिन अब रिलीज डेट को लेकर भी एक धांसू अपडेट सामने आ गया है, जिसे सुनकर मेकर्स खुश हो जाएंगे. फिल्म 'वाराणसी' में कई एक्टर्स की एंट्री की खबरें आ रही हैं, पर फिलहाल मेकर्स की तरफ से सिर्फ तीन नाम ही कंफर्म किए गए हैं. वहीं, राजामौली की इस फिल्म से उम्मीदें भी काफी ज्यादा है, क्योंकि पिछली फिल्म RRR थी. जिसने दुनियाभर से 1000 करोड़ से ज्यादा की कमाई की थी.

कब रिलीज होगी राजामौली की 'वाराणसी'?

हाल ही एक न्यूज वेबसाइट पर रिपोर्ट छपी. जिससे पता लगा कि 'वाराणसी' के मेकर्स दुनिया भर में फिल्म को 9 अप्रैल 2027 में रिलीज करने की तैयारी कर रहे हैं. जबसे फिल्म की रिलीज डेट को लेकर जानकारी सामने आई है, तो फैन्स की खुशी का ठिकाना नहीं रहा. ऐसा माना जा रहा है कि फिल्म की रिलीज राम नवमी के सेलिब्रेशन के साथ ही रखी गई है. जो कि एक दूसरे से मेल भी खाती है. हालांकि, अबतक कोई भी ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं किया गया है. लेकिन मेकर्स की प्लानिंग को लेकर लगातार खुलासा हो रहा है. दरअसल यह साल 2027 की सबसे बड़ी रिलीज में से एक है. हालांकि, राजामौली फेस्टिवल पर ही फिल्म को रिलीज करने की प्लानिंग कर रहे हैं. क्योंकि इस पिक्चर से उम्मीद भी काफी ज्यादा है. कहा जा रहा है कि रिलीज के साथ ही कई बड़े रिकॉर्ड्स तोड़ देगी.

मुन्ना भाई 3 के साथ लौटेंगे संजय दत्त?

● 'डॉ अस्थाना' ने शेयर की ऐसी डिटेल्स, खुशी से झूमने लगेंगे फैंस

'मुन्ना भाई एमबीबीएस' और 'लगे रहो मुन्नाभाई' के बाद इसकी तीसरी फ्रेंचाइजी का इंतजार न जाने कब से कर रहे हैं। बीते दिनों अरशद वारसी ने जब ये बताया था कि राजकुमार हिरानी मुन्ना भाई की तीसरी इंस्टॉलमेंट पर काम कर रहे हैं, तो फैंस की उत्सुकता सातवें आसमान पर पहुंच गई थी। अब हाल ही में फिल्म के पहले पार्ट में 'डॉ अस्थाना' और दूसरे पार्ट में 'लकी' का किरदार निभाने वाले अभिनेता बमन ईरानी ने भी 'मुन्ना भाई-3' को लेकर एक ऐसा अपडेट शेयर किया है, जिससे फैंस के चेहरे निश्चित रूप से खिल उठेंगे।

मुन्ना भाई 3 पर क्या बोले बमन ईरानी?

राजकुमार हिरानी की अधिकतर फिल्मों में अहम भूमिका निभाने वाले बमन ईरानी ने हाल ही में 'द राजा साब' के एक इवेंट पर यह हिंट दे दी है कि वह संजू बाबा के साथ 'मुन्ना भाई-3' में नजर आ सकते हैं। द राजा साब के सॉन्ग लॉन्च पर बमन ईरानी ने कहा, 'संजय दत्त के साथ काम करना हमेशा स्पेशल होता है। मुन्ना भाई सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि इमोशन है। हम एक परिवार की तरह हैं और वह बिताए गए पल हमारे साथ पूरी जिंदगी रहने वाले हैं।' एक खबर के मुताबिक, इस दौरान जब बमन से मुन्ना भाई 3 के प्रोग्रेस पर पूछा गया तो उन्होंने जवाब देते हुए कहा, 'मुझे यकीन है कि जब सही समय और सही कहानी मिलेगी, तो मुन्ना भाई का तीसरा पार्ट जरूर बनेगा। मैंने हमेशा दिल ही दिल में ये मेनिफेस्ट किया है और उम्मीद है कि जल्द है हम सब फिर साथ में काम करेंगे।'

वक्त के साथ मजबूत हुआ है रिश्ता

संजय दत्त के साथ कई फिल्मों में काम कर चुके बमन ईरानी ने उनकी तारीफ करते हुए बताया कि संजू बाबा से उनकी बॉन्डिंग बीतते वक्त के साथ और भी मजबूत हुई है। वह सेट पर बिल्कुल एक अलग तरह की एनर्जी लेकर आते हैं। बमन ने बताया कि संजय दत्त क्रिएटिव मुश्किलों और सेट के एनवायरमेंट को बिल्कुल कम्फर्टेबल बना देते हैं।'

'बॉर्डर 2':

96 मिलियन व्यूज... रिलीज से पहले सनी देओल का 'धमाका'!

बनाएंगे 2026 का सबसे बड़ा रिकॉर्ड, हो गई तैयारी

नए साल का पहला ही महीना बहुत धमाकेदार होने वाला है. शुरुआत हो भी चुकी है, पर बड़ी फिल्मों का क्लैश पोंगल पर होगा. जब साउथ की कई बड़ी फिल्में आमने-सामने आने वाली हैं. लेकिन जिस फिल्म का बेसब्री से इंतजार किया जा रहा है, वो है- 'बॉर्डर 2'. फिल्म का टीजर और पहला गाना 'घर कब आओगे' रिलीज हो चुका है. जिसे लोगों का जबरदस्त रिस्पॉन्स भी मिला है. फिल्म की रिलीज से पहले सनी देओल बड़ा धमाका करने वाले हैं. सनी देओल सीक्वल में कितने सरप्राइज हैं और कितने नहीं, यह तो सीधा फिल्म रिलीज के बाद ही पता लगेगा. हालांकि, इस बार सनी देओल की पूरी फौज ही नई है. जहां वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ और अहान शेट्टी भी साथ-साथ होंगे. फिल्म का टीजर और पहला गाना 'घर कब आओगे' पहले ही रिलीज कर दिया गया है. जानिए 14 जनवरी, 2026 में क्या होने वाला है?

दरअसल 'बॉर्डर 2' के टीजर को काफी जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला था. 3 हफ्ते पहले आए इस वीडियो को 58 मिलियन व्यूज अबतक मिल चुके हैं. जबकि, 4 दिन पहले आए गाने को टोटल 38 मिलियन लोग देख चुके हैं. जो टोटल 96 मिलियन व्यूज होता है. अब जानिए मेकर्स मकर संक्रांति पर क्या प्लानिंग कर रहे हैं? जिससे वो बड़ा रिकॉर्ड बना सकते हैं.

हाल ही में एक न्यूज वेबसाइट पर रिपोर्ट छपी. जिससे पता लगा कि 'बॉर्डर 2' का ट्रेलर 14 जनवरी को मकर संक्रांति के मौके पर रिलीज होगा. सनी देओल और वरुण धवन की फिल्म रिलीज से कुछ दिनों पहले ही एक बड़ी झलक दिखाई जाएगी. दरअसल यह स्ट्रेटेजिक लॉन्च रिपब्लिक डे से पहले फेस्टिव पीरियड के दौरान जबरदस्त एक्साइटमेंट पैदा करेगा.

स्ट्रीट फूड मेरा फेवरेट-त्रिधा चौधरी

वेब सीरीज आश्रम में बबीता का किरदार निभाकर चर्चा में आई एक्ट्रेस त्रिधा चौधरी की हाल ही में कपिल शर्मा के किस किस को प्यार करूं 2 रिलीज हुई है। वेब सीरीज और फिल्मों में अपनी दमदार एक्टिंग से पहचान बना चुकीं त्रिधा ने मुंबई के जुहू स्थित महाराजा भोग रेस्टोरेंट में बैठकर हमारे साथ अपनी पसंदीदा डिशेज, फिटनेस मंत्र और बचपन की यादें शेयर कीं। आज 'स्टार की थाली' में जानिए एक्ट्रेस की पसंदीदा डिशेज और उनकी खाने की रूटीन। मुझे माछ (मछली) बहुत पसंद है। इससे स्किन बहुत अच्छी रहती है। मैं तो कहती हूं इसे सबको खाना चाहिए। अगर मुझे अपनी फेवरेट थाली बनानी हो, तो उसमें काली दाल, खीर, पुलाव, चिकन कीमा और सरसों वाली पातुरी माछ जरूर होगी। बस ये पांच चीजें होनी चाहिए। बंगाली हूं ना, तो कभी-कभी खाने से पहले एक-दो रसगुल्ले खा लेती हूं। या सौंफ चबा लेती हूं, ताकि मुंह का स्वाद फ्रेश हो जाए और बाकी खाना भी कमाल का लगे।

लौकी-कद्दू का हलवा बहुत पसंद है

मैं शूटिंग की लोकेशन पता चलते ही खाने की जगह ढूंढ लेती थी, ताकि बाद में जरूर जाऊं और खाऊं। विंटर सीजन था, जब हम लखनऊ में 'आश्रम' की शूटिंग कर रहे थे। मुझे अच्छे से याद है, मैं लंच स्किप कर देती थी और जमकर गाजर का हलवा खाती थी। जब प्रकाश झा जी हमारे खाने के बिल देखते थे तो कहते थे कि यार हीरोइन सिर्फ गाजर का हलवा ही खाती है क्या? मुझे लौकी-कद्दू से बना हलवा भी बहुत पसंद है।

भाभीजी घर पर हैं 2.0 में डबल रोल पर बोलीं शिल्पा शिंदे

टीवी के लोकप्रिय शो भाभीजी घर पर हैं 2.0 की चर्चा तेज है। हंसी-मजाक के लिए मशहूर यह शो अब एक भूतिया कहानी के साथ दर्शकों का मनोरंजन करने जा रहा है। कॉमेडी और हॉरर का यह अनोखा मेल न सिर्फ कहानी को नया रंग देगा, बल्कि किरदारों को भी बिल्कुल अलग अंदाज में पेश करेगा। इस नए ट्रैक में विभूति नारायण मिश्रा, अनीता भाभी, तिवारी और अंगूरी भाभी की जिंदगी में अचानक अजीब और डरावनी घटनाएं होने लगती हैं। घर, गली और पूरा घुंघटगंज किसी रहस्यमयी माहौल में बदल जाता है। कभी अचानक आवाजें आती हैं, तो कभी अजीब हरकतें देखने को मिलती हैं। इन सबके बीच कॉमेडी का तड़का कहानी को हल्का और मजेदार बनाए रखता है। इस पूरे ट्रैक की सबसे बड़ी खासियत शिल्पा शिंदे का डबल रोल है। एक तरफ वह हमेशा की तरह मासूम, भोली और प्यारी अंगूरी भाभी के रूप में नजर आएंगी, वहीं दूसरी तरफ वह विद्या नाम की एक रहस्यमयी आत्मा का किरदार निभा रही हैं। विद्या ही उन सारी भूतिया घटनाओं की वजह है, जो शो में उथल-पुथल मचाती हैं। एक ही कलाकार को दो बिल्कुल अलग रूपों में देखना दर्शकों के लिए काफी दिलचस्प अनुभव होने वाला है। शिल्पा शिंदे ने अपनी खुशी भी जाहिर करते हुए कहा, घुंघटगंज का यह नया ट्रैक रहस्य, ह्यूमर और चौंकाने वाले ट्विस्ट से भरा हुआ है। यह कहानी कॉमेडी और हॉरर का ऐसा मेल है, जो दर्शकों को शुरू से आखिर तक बांधे रखेगा। अंगूरी भाभी के किरदार में जो सच्चाई और मासूमियत है, वही उसे दर्शकों के दिलों से जोड़ती है और इस किरदार में लौटना मेरे लिए बहुत खास अनुभव है।

राहुल मोदी से अफेयर की चर्चाओं के बीच श्रद्धा कपूर ने शादी की योजना पर दी प्रतिक्रिया, बोलीं-

मैं विवाह करूंगी

अभिनेत्री श्रद्धा कपूर की शादी की चर्चाओं को लेकर फैंस काफी उत्साहित हैं। हर कोई जानना चाहता है कि श्रद्धा कब और किससे शादी करेंगी? इस बीच अब एक्ट्रेस ने अपनी शादी को लेकर एक फैन को जवाब दिया है। श्रद्धा कपूर बॉलीवुड की सबसे पसंदीदा और जबरदस्त फैन फॉलोइंग वाली एक्ट्रेस मानी जाती हैं। यही नहीं वो इंडस्ट्री की मोस्ट डिजायरेबल बैचलर्स एक्ट्रेस में से भी एक हैं। राहुल मोदी के साथ कथित रिलेशनशिप की खबरों के बाद फैंस उनकी शादी का भी बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। अब आखिर श्रद्धा ने एक फैन को जवाब देते हुए अपनी शादी पर चुप्पी तोड़ी है और शादी पर बात की है। जानिए श्रद्धा ने अपनी शादी को लेकर क्या कुछ कहा और फैन को ऐसा क्या जवाब दिया, जो अब वायरल है...

श्रद्धा ने पूछा वैलेंटाइन के करीब हुआ किसका ब्रेकअप?

श्रद्धा कपूर ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर अपने ज्वेलरी ब्रांड का एक प्रमोशनल वीडियो पोस्ट किया। वीडियो में अभिनेत्री यह बताती नजर आ रही हैं कि आंकड़े बताते हैं कि ज्यादातर ब्रेकअप वैलेंटाइन डे के आसपास होते हैं। फिर वह इसके पीछे के संभावित कारणों पर विचार करती हैं और शरारती अंदाज में कहती हैं कि लोग प्यार के इस मौसम में अकेले रहने से बचने के लिए उनके गिफ्ट बॉक्स खरीद सकते हैं। अपने वीडियो के कैप्शन में भी श्रद्धा ने फैंस से यही पूछा है, 'किस किसका ब्रेकअप वैलेंटाइन के करीब हुआ है?'

श्रद्धा बोलीं- मैं विवाह करूंगी

श्रद्धा कपूर के इस वीडियो पर कई लोगों ने अभिनेत्री से उनकी शादी को लेकर सवाल कर डाला। तो कुछ ने तो उन्हें अपना वैलेंटाइन बनने के लिए ही पूछ लिया। इसी क्रम में एक यूजर ने उनकी शादी की योजना को लेकर सवाल करते हुए, कमेंट में लिखा, 'श्रद्धा जी आप शादी कब करोगे?' ये कमेंट वायरल तब हो गया, जब श्रद्धा ने इस पर रिप्लाई करते हुए अपना जवाब दिया। एक्ट्रेस ने बिना झिझक जवाब देते हुए लिखा, 'मैं करूंगी, विवाह करूंगी।' श्रद्धा का ये जवाब अब सोशल मीडिया पर वायरल है और उनके जल्द ही शादी करने की खबरों को भी बल दे रहा है।

विक्रम भट्ट की FIR रद्द करने की मांग खारिज

7 दिसंबर से जेल में हैं, राजस्थान हाईकोर्ट ने कहा- ये कॉन्ट्रैक्ट का उल्लंघन नहीं, धोखाधड़ी जानबूझकर की गई

पॉपुलर फिल्ममेकर विक्रम भट्ट और उनकी पत्नी करोड़ों की धोखाधड़ी के मामले में जेल में बंद हैं। हाल ही में विक्रम भट्ट और उनकी पत्नी के खिलाफ खद्रकरद करने के लिए एक याचिका दायर की गई थी, जिसे राजस्थान हाईकोर्ट ने रद्द कर दिया है। राजस्थान हाईकोर्ट में याचिका में हुई सुनवाई के दौरान जस्टिस समीर जैन ने इस मामले में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया और कहा कि धोखाधड़ी का ये मामला महज कॉन्ट्रैक्ट का उल्लंघन नहीं है, बल्कि ये जानबूझकर की गई धोखाधड़ी का है। इस मामले में पुलिस जांच जारी रहेगी। विक्रम भट्ट की याचिका में खद्रकरद करने का अनुरोध करते हुए कहा गया था कि ये मामला आपराधिक नहीं है। उनके वकील ने सुनवाई के दौरान दलील दी थी कि ये मामला धोखाधड़ी का नहीं बल्कि दो पार्टी के बीच हुए कॉन्ट्रैक्ट के उल्लंघन का है। उन्होंने अपील की थी कि समझौते के तहत विवाद को सुलझाने का अधिकार मुंबई में होना चाहिए न कि राजस्थान में।

दो बार रद्द हुई जमानत याचिका

बता दें विक्रम भट्ट और उनकी पत्नी श्वेतांबरी 7 दिसंबर से जेल में बंद हैं। उन्होंने दो बार जमानत याचिका दायर की थी, हालांकि दोनों बार उनकी जमानत याचिका खारिज कर दी गई।

काराबाओ कप सेमीफाइनल: मैनचेस्टर सिटी ने न्यूकैसल को पहले चर I में 2-0 से हराया

एजेंसी

न्यूकैसल : मैनचेस्टर सिटी के नए खिलाड़ी एंटोइन सेमेन्यो ने लगातार दूसरे मैच में गोल दागते हुए शानदार फॉर्म जारी रखी, जबकि रयान चेर्की ने स्टॉपेज टाइम में गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। पेप गार्डियोला की अगुआई वाली सिटी ने मंगलवार को खेले गए लीग कप (काराबाओ कप) सेमीफाइनल के पहले चरण में डिफेंडिंग चैंपियन न्यूकैसल यूनाइटेड को उसके घरेलू मैदान पर 2-0 से मात दी। जनवरी में बोर्नमाउथ से 65 मिलियन पाउंड के करार पर सिटी से जुड़े सेमेन्यो ने 53वें मिनट में जेरेमी डोकू के क्रॉस पर नजदीक से गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। बाद में उन्होंने एक और शानदार फिनिश के साथ गोल किया, लेकिन लंबी वीएआर जांच के बाद इसे सब्जेक्टिव ऑफसाइड करार देते हुए रद्द कर दिया गया। दूसरे चरण से पहले सिटी ने खुद को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। मुकाबले के स्टॉपेज टाइम में रयान चेर्की ने लो शॉट लगाकर गोल किया और घरेलू दर्शकों को स्तब्ध कर दिया। दूसरा चरण 4 फरवरी को खेला जाएगा।

न्यूकैसल को मैच में कुछ अच्छे मौके मिले, खासकर दूसरे हाफ की शुरुआत में। सिटी के गोलकीपर जेम्स ट्रैफर्ड ने योआने विस्सा के शॉट को शानदार तरीके से क्रॉसबार पर टच कराया, जबकि इसके तुरंत बाद ब्रूनो गुइमारेस का लो शॉट भी गोलपोस्ट से टकरा गया।

पिछले सीजन मार्च में वेम्बली में लिवरपूल को हराकर 1955 के बाद पहली घरेलू ट्रॉफी जीतने वाली न्यूकैसल अब लगातार दूसरे फाइनल में पहुंचने के लिए मुश्किल स्थिति में है। सेमेन्यो ने शनिवार को एफए कप में एक्सेटर सिटी के खिलाफ 10-1 की जीत में भी गोल किया था। वह 2009 में इमैनुएल एडेबायोर के बाद सभी प्रतियोगिताओं में अपने पहले दो मैचों में गोल करने वाले पहले सिटी खिलाड़ी बने। मैच के बाद सेमेन्यो ने कहा, ह्ययहां का माहौल बेहतरीन है। हर कोई आत्मविश्वास से भरा है और सर्वश्रेष्ठ हासिल करना चाहता है। मैं बहुत जल्दी चीजें सीख रहा हूं और मुस्कान के साथ खेल का आनंद ले रहा हूं। न्यूकैसल के कोच एडी हाउ ने नियम में बदलाव पर निराशा जताई, जिसके चलते सेमेन्यो इस प्रतियोगिता में खेलने के लिए पात्र रहे। उन्होंने कहा कि यदि विस्सा शुरुआती मौके को भुना लेते तो मैच का रुख कुछ और हो सकता था। गार्डियोला ने वीएआर फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, ह्यहम जानते हैं कि यह सिस्टम कैसे काम करता है। इससे हम और मजबूत होंगे।ह्न

मध्य प्रदेश में ठंड का असर बरकरार, लेकिन कोहरे से मिली राहत, ग्वालियर-कटनी रहे सबसे ठंडे

– कल से सक्रिय होगा नया मौसम सिस्?टम

एजेंसी

भोपाल : मध्य प्रदेश में कड़ाके की सर्दी का सिलसिला जारी है, हालांकि बीते दिनों की तुलना में कई जिलों को घने कोहरे से राहत मिली है। अधिकांश क्षेत्रों में मौसम साफ बना हुआ है। भिंड, मुरैना, श्योपुर, दतिया, निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर, पन्ना और सतना में सुबह के समय हल्का से मध्यम कोहरा देखा गया। उत्तर भारत से आ रही ठंडी हवाओं का असर प्रदेश के उत्तरी हिस्सों में सबसे अधिक महसूस किया जा रहा है। मौसम विभाग के अनुसार, आज बुधवार को राज्य के ज्यादातर इलाकों में आसमान साफ रहने और धूप खिलने का अनुमान है। भोपाल, इंदौर और उज्जैन सहित बड़े शहरों में दिन में राहत जरूर मिलेगी, लेकिन रात का तापमान कम बना रहेगा। ग्वालियर-चंबल क्षेत्र के साथ सागर और रीवा संभाग में तेज सर्दी का असर अभी जारी रहेगा। बुधवार सुबह ग्वालियर, भिंड, मुरैना, श्योपुर, दतिया, निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर, पन्ना और सतना में मध्यम कोहरा छाया रहा। वहीं भोपाल, इंदौर, उज्जैन, जबलपुर, सीहोर, शाजापुर, देवास सहित 15 से अधिक जिलों में दृश्यता 2 से 4 किलोमीटर के बीच रही। मौसम विभाग ने बताया कि बुधवार को मौसम पूरी तरह शुष्क रहेगा और अगले चार दिनों तक यही स्थिति बने रहने की संभावना है। आज प्रदेश के किसी भी हिस्से में न तो शीतलहर का अलर्ट है और न ही कोल्ड डे की स्थिति।

ग्वालियर-चंबल और कटनी क्षेत्र सबसे ठंडे

प्रदेश के उत्तरी हिस्सों में बर्फीली हवाओं के चलते तापमान काफी नीचे बना हुआ है। मंगलवार रात ग्वालियर, छतरपुर का नौगांव और कटनी का करौंदी सबसे ठंडे स्थान रहे। ग्वालियर में न्यूनतम तापमान 6.5 डिग्री, कटनी के करौंदी में 4.7 डिग्री, सतना के चित्रकूट में 5.3 डिग्री और नौगांव में 5.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। कोहरे के कारण रेल यातायात भी प्रभावित हुआ और कई ट्रेनें देरी से चलीं। प्रदेश के एकमात्र हिल स्टेशन पचमढ़ी में तापमान 5.8 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। खजुराहो में 6 डिग्री, दतिया में 6.2 डिग्री, मंडला और राजगढ़ में 6.4 डिग्री तथा रीवा में 6.5 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज हुआ। वहीं भोपाल में न्यूनतम तापमान 10.2 डिग्री, इंदौर में 9.5 डिग्री, उज्जैन में 11 डिग्री और जबलपुर में 9.5 डिग्री रहा।

दिन के तापमान में भी ठंडक

दिन के समय भी उत्तर और मध्य हिस्सों में ठंड का असर देखा गया। मंगलवार को ग्वालियर में अधिकतम तापमान 24.3 डिग्री, दतिया में 23.4 डिग्री और श्योपुर में 23.2 डिग्री दर्ज किया गया। पचमढ़ी में 21.8 डिग्री, खजुराहो में 23.4 डिग्री, नौगांव में 23.5 डिग्री, रीवा में 22.4 डिग्री, सीधी में 23 डिग्री, टीकमगढ़ और उमरिया में 24 डिग्री तथा मलाजखंड में 23 डिग्री सेल्सियस तापमान रहा।

कल से सक्रिय होगा नया वेस्टर्न डिस्टरबेंस

मौसम विभाग के अनुसार पश्चिमी हिमालय क्षेत्र में 15 जनवरी से एक मजबूत पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो रहा है। इसके प्रभाव से मध्य प्रदेश में दो से तीन दिन बाद असर दिखाई दे सकता है। खासकर प्रदेश के उत्तरी हिस्सों में मावठा गिरने की संभावना जताई गई है।

बीएचयू की शोध छात्रा गुनिया यादव को सर्वश्रेष्ठ शोधपत्र से सम्मानित किया गया

एजेंसी

वाराणसी : उत्तर प्रदेश के वाराणसी स्थित काशी हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) के प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति और पुरातत्व विभाग की शोध छात्रा गुनिया यादव को ह्लसर्वश्रेष्ठ शोधपत्र (नमिता जोशी स्वर्ण पदक)ह्व से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान भारतीय पुरातत्व सोसाइटी, भारतीय प्रागैतिहासिक एवं चतुर्थक अध्ययन सोसाइटी तथा इतिहास और संस्कृति सोसाइटी द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित वार्षिक सम्मेलन में प्रदान किया गया। यह सम्मेलन 9 से 11 जनवरी 2026 तक लखनऊ विश्वविद्यालय के मानवशास्त्र विभाग में आयोजित हुआ। यह जानकारी बीएचयू के जनसंपर्क कार्यालय द्वारा दी गई। बताया गया कि गुनिया यादव, रामा यादव की पुत्री हैं और उत्तर प्रदेश के गाजीपुर जनपद के मनिहारी ब्लॉक स्थित हरौली गाँव की निवासी हैं। उन्होंने ह्लनिजामाबाद और उसके आस-पास मृद्भांड निर्माण परंपरा की निरंतरताः एक नृवंशविज्ञानिक सर्वेक्षणह्व शीर्षक से अपना शोधपत्र प्रस्तुत किया। अपने शोध में उन्होंने निजामाबाद तथा उसके आसपास के पारंपरिक कुम्हार समुदाय के जीवन, सांस्कृतिक निरंतरता और मृद्भांड निर्माण की परंपराओं का गहन नृवंशविज्ञानिक अध्ययन किया है। विशेष रूप से उनके शोध का केंद्र महिलाओं की भूमिका, उनके प्रायः अदृश्य श्रम तथा पारंपरिक शिल्प के माध्यम से आर्थिक सशक्तिकरण की संभावनाओं पर रहा है। गुनिया यादव का यह शोध कार्य डॉ. विराग सोनटक्के के निर्देशन में संचालित हो रहा है। विभाग के वर्तमान अध्यक्ष प्रोफेसर महेश प्रसाद अहिरवार के नेतृत्व में प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति और पुरातत्व विभाग में पुरातत्व एवं सांस्कृतिक अध्ययन के क्षेत्र में उच्च स्तरीय शोध को निरंतर प्रोत्साहन मिल रहा है।

हिमाचल का प्रशासन दिशाहीन और बेलगाम हुआ: संजीव कटवाल

एजेंसी

शिमला : भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री संजीव कटवाल ने लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह की विवादित सोशल मीडिया पोस्ट और उससे जुड़े पूरे घटनाक्रम पर कांग्रेस सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने बुधवार को एक बयान में कहा कि कांग्रेस के कार्यकाल में हिमाचल प्रदेश का प्रशासनिक तंत्र पूरी तरह दिशाहीन और बेलगाम हो चुका है। संजीव कटवाल ने आरोप लगाया कि सत्ता के संरक्षण में कुछ अधिकारी खुद को जवाबदेही से ऊपर समझने लगे हैं और भ्रष्टाचार के गंभीर मामलों पर सरकार जानबूझकर आंखें मूंदे बैठी है। संजीव कटवाल ने स्पष्ट किया कि भाजपा ने कभी भी ईमानदार और कर्तव्यनिष्ठ अधिकारियों का विरोध नहीं किया है। उन्होंने कहा कि पार्टी हमेशा उन अधिकारियों के साथ खड़ी रही है, जो प्रदेश के हित में ईमानदारी से काम करते हैं। लेकिन साथ ही भाजपा ने हर दौर में भ्रष्टाचार में लिप्त अधिकारियों, वित्तीय अनियमितताओं, कमीशनखोरी और जनता के धन की लूट से जुड़े मामलों को मजबूती से उठाया है। चाहे मामला केंद्र से मिलने वाली राशि के दुरुपयोग का हो या विकास कार्यों में भ्रष्टाचार का, भाजपा ने हर मंच पर सरकार से जवाब मांगा है। भाजपा प्रदेश महामंत्री ने कहा कि असली सवाल यह नहीं है कि कोई अधिकारी कहां से आया है बल्कि यह है कि वह अपना काम ईमानदारी से कर रहा है या नहीं। यदि कोई अधिकारी या सत्ता से जुड़ा व्यक्ति भ्रष्टाचार में शामिल पाया जाता है, तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार में मंत्री और अधिकारी गैर-जिम्मेदाराना बयान दे रहे हैं, लेकिन मुख्यमंत्री की ओर से न तो कोई स्पष्ट रुख सामने आ रहा है और न ही किसी तरह की अनुशासनात्मक कार्रवाई हो रही है। यह चुप्पी या तो भ्रष्टाचार पर मौन सहमति को दर्शाती है या फिर प्रशासन पर सरकार की कमजोर पकड़ को, जो दोनों ही स्थितियां प्रदेश के लिए गंभीर और खतरनाक हैं। संजीव कटवाल ने कहा कि प्रशासनिक अधिकारियों को संविधान और सेवा नियमों के तहत निष्पक्ष होकर काम करना चाहिए, यही लोकतंत्र की बुनियाद है। राजनीतिक संरक्षण के भरोसे मयार्दाहीन बयानबाजी और मनमानी को भाजपा बर्दाश्त नहीं करेगी। उन्होंने मुख्यमंत्री से मांग की कि पूरे मामले पर तुरंत सार्वजनिक रूप से स्थिति स्पष्ट की जाए, विवादित बयानों पर जवाबदेही तय की जाए और यह सुनिश्चित किया जाए कि हिमाचल प्रदेश में प्रशासनिक अनुशासन, पारदर्शिता और सौहार्द किसी भी कीमत पर कमजोर न होने पाए।

सिंगापुर के प्रधानमंत्री ने तमिल समुदाय को पोंगल की शुभकामनाएं दीं

एजेंसी

सिंगापुर : सिंगापुर के प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग ने तमिल समुदाय को पोंगल पर्व की शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, " हमारा तमिल समुदाय जिस पोंगल पर्व को मनाता है, वह परिवार के साथ एकजुट होने, कृतज्ञता व्यक्त करने, अपनी पारंपरिक जड़ों का सम्मान करने और आने वाले आशावादी वर्ष का स्वागत करने का उपयुक्त समय है।" सिंगापुर के प्रधानमंत्री ने कहा, "इस अवसर पर मैं सभी को पोंगल की शुभकामनाएं देता हूं। पोंगल पर्व की भावना का अनुभव करने के लिए लिटिल इंडिया या इंडियन हेरिटेज सेंटर में कुछ समय अवश्य बिताएं।" उल्लेखनीय है कि भारत के तमिलनाडु में पोंगल पर्व कल ताई थिरुनाल के रूप में मनाया जाएगा। इस अवसर पर प्रकृति के प्रति कृतज्ञता प्रकट करते हुए पारंपरिक तरीके से नए मिट्टी के बर्तन में पोंगल बनाकर खुशी और उत्साह के साथ त्योहार मनाया जाता है। तमिलनाडु में पोंगल पर्व चार दिन तक (भोगी, थाई पोंगल, मट्टू पोंगल और काणुम पोंगल) धूमधाम से मनाया जाता है।

हिमाचल प्रदेश में 16 से 20 जनवरी तक बारिश-बर्फबारी के आसार

एजेंसी

शिमला : हिमाचल प्रदेश में पिछले करीब तीन महीनों से जारी सूखी ठंड के बीच अब मौसम के बदलने के संकेत मिल रहे हैं और मौसम विभाग ने 16 से 20 जनवरी के बीच राज्य के कई हिस्सों में वर्षा और बर्फबारी का अनुमान जताया है। विभाग के अनुसार पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से खासतौर पर उच्च पर्वतीय और जनजातीय इलाकों में बर्फ गिर सकती है, जबकि मध्य व निचले पर्वतीय क्षेत्रों में हल्की से मध्यम बारिश के आसार हैं। शिमला और मनाली जैसे प्रमुख हिल स्टेशनों में मौसम के पहले हिमपात को लेकर उम्मीद जगी है, जिससे पर्यटन कारोबार को भी राहत मिलने की संभावना है। हालांकि अगले 24 घंटे यानी 15 जनवरी को राज्य भर में मौसम साफ रहने का अनुमान है। लेकिन इसी दौरान मैदानी और निचले इलाकों में घने कोहरे और शीतलहर की चेतावनी भी जारी की गई है। मौसम विभाग के मुताबिक ऊना में आज सुबह घना कोहरा दर्ज किया गया, जहां दृश्यता घटकर करीब 50 मीटर रह गई, जबकि पांवटा साहिब में हल्का कोहरा छाया रहा। राज्य में इस समय ह्यसुखी ठंडह्ण का कहर जारी है और जनजातीय इलाकों में तापमान लगातार शून्य से नीचे बना हुआ है। बीती रात कुकुमसेरी में न्यूनतम तापमान माइनस 4.9 डिग्री और ताबो में माइनस 5.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। अन्य शहरों की बात करें तो शिमला में न्यूनतम तापमान 7.2, सुंदरनगर में 0.6, भुंतर में 0.9, कल्पा में 0.2, धर्मशाला में 3.6, ऊना में 2.4, नाहन में 6.5, पालमपुर में 2.0, सोलन में 0.5, मनाली में 1.9, कांगड़ा में 3.2, मंडी में 2.1, बिलासपुर में 3.5, हमीरपुर में 1.6, जुब्बड़हट्टी में 6.5, कुफरी में 6.3, नारकंडा में 3.8, रिकांगपिओ में 2.0, पांवटा साहिब में 10.0, सराहन में 4.0, देहरा गोपीपुर में 7.0, नेरी में 6.6, बजौरा में 1.5 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। मौसम विभाग के अनुसार बीती रात राज्य के औसत न्यूनतम तापमान में 0.2 डिग्री की बढ़ोतरी दर्ज की गई, लेकिन यह अब भी सामान्य से 0.6 डिग्री कम बना हुआ है। मैदानी और निचले इलाकों हमीरपुर, बिलासपुर, कांगड़ा, मंडी और ऊना में शीतलहर की स्थिति बनी हुई है और इन क्षेत्रों में कई बार तापमान शिमला जैसे हिल स्टेशन से भी कम दर्ज किया गया है। लंबे समय से बारिश और बर्फबारी न होने के कारण राज्य में सूखे जैसे हालात बन गए हैं, जिसका सीधा असर फसलों और बागवानी पर पड़ा है। निचले इलाकों में रबी की मुख्य फसल गेहूं बारिश के अभाव में बबार्दी के कगार पर पहुंच गई है और अगर जल्द बारिश नहीं हुई तो किसानों की चिंता और बढ़ सकती है, वहीं सेब सहित अन्य फलों की फसल को भी पर्याप्त ह्यचिलिंग आवर्सह्ण न मिलने से नुकसान की आशंका जताई जा रही है। ऐसे में 16 जनवरी से सक्रिय हो रहे पश्चिमी विक्षोभ से होने वाली संभावित बारिश और बर्फबारी को प्रदेश के लिए बेहद अहम माना जा रहा है। इससे न केवल सूखे हालात से राहत मिलने की उम्मीद है बल्कि जल स्त्रोतों और कृषि को भी संजीवनी मिल सकती है।

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत, एशिया में तेजी का रुख

एजेंसी

नई दिल्ली : ग्लोबल मार्केट से आज कमजोरी के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान गिरावट के साथ बंद हुए। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी आज कमजोरी के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। वहीं एशियाई बाजारों में आज आमतौर पर तेजी का रुख बना हुआ है। अमेरिका में बैंकिंग और फाइनेंशियल सेक्टर के शेयरों में जोरदार बिकवाली होने की वजह से वॉल स्ट्रीट के सूचकांक गिरावट के साथ बंद हुए। डाउ जॉन्स 400 अंक फिसल गया। इसी तरह एस एंड पी 500 इंडेक्स 0.23 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 6,960.99 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसके अलावा नैस्डेक ने 0.15 प्रतिशत टूट कर 23,698.65 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। वहीं डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज फिलहाल 0.07 प्रतिशत लुढ़क कर 49,158.26 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार दबाव में कारोबार होता रहा। हालांकि अंत में मामूली खरीदारी होने के कारण यूरोपीय बाजार मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एफटीएसई इंडेक्स 0.03 प्रतिशत की सांकेतिक गिरावट के साथ 10,137.35 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.14 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 8,347.20 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके विपरीत डीएएक्स इंडेक्स 0.06 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 25,420.66 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजार में आज आमतौर पर तेजी का रुख बना हुआ है। एशिया के नौ बाजार में से आठ के सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि एक सूचकांक मामूली गिरावट के साथ लाल निशान में बना हुआ है। एशियाई बाजार में से इकलौता स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स फिलहाल 0.11 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 4,802.07 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 0.06 प्रतिशत की मजबूती के साथ 25,786 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसी तरह कोस्पी इंडेक्स 0.28 प्रतिशत उछल कर 4,705.60 अंक के स्तर पर आ गया है। निक्केई इंडेक्स ने आज जोरदार छलांग लगाई है। फिलहाल ये सूचकांक 873.84 अंक यानी 1.63 प्रतिशत की तेजी के साथ 54,423 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

इसी तरह शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 1.20 प्रतिशत की बढ़त के साथ 4,188.24 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा हैंग सेंग इंडेक्स 269.53 अंक यानी 0.99 प्रतिशत की मजबूती के साथ 27,118 अंक के स्तर पर, जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.93 प्रतिशत उछल कर 9,031.81 अंक के स्तर पर, सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.75 प्रतिशत की छलांग लगा कर 1,244.59 अंक के स्तर पर और ताइवान वेटेड इंडेक्स 229.25 अंक यानी 0.74 प्रतिशत की बढ़त के साथ 30,936.47 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

न्यूज IN ब्रीफ

ऐतिहासिक धौंसा मंदिर के गोपाल सागर में भव्य दीपोत्सव

महोबा : उत्तर प्रदेश के महोबा जनपद स्थित धौंसा मंदिर के पास स्थित गोपाल सागर में मकर संक्रांति पर्व को लेकर मंगलवार की रात दीपदान का आयोजन किया गया। जहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु हर्षोल्लास के साथ शामिल हुए दीपों की रोशनी से तालाब जगमग हो उठा है। जनपद के कुलपहाड़ तहसील क्षेत्र में स्थित ऐतिहासिक धौंसा मंदिर बुंदेलों की आस्था का केंद्र है। मंदिर के महंत श्यामा शरण देवाचार्य ने बताया कि विभिन्न तीर्थ स्थलों से जल लाकर इस सरोवर में छोड़ा गया है। जिससे इस जल से स्नान करने मात्र से लोगों में नई ऊर्जा का एहसास होता है, और लोगों को बीमारी से भी छुटकारा मिलता है। मकर संक्रांति के पर्व पर यहां स्नान करने का बहुत महत्व है। मकर संक्रांति को खिचड़ी भोज होगा इसके साथ ही भव्य दंगल का आयोजन किया जाएगा, जिसकी तैयारियों पूर्ण कर लीं गई हैं।

मुख्यमंत्री आज तातापानी महोत्सव का करेंगे शुभारंभ

रायपुर : मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय बुधवार को बलरामपुर रामानुजगंज जिले के दौरे पर रहेंगे। जहां वे आयोजित तातापानी महोत्सव में शामिल होंगे। रामानुजगंज जिले में लगभग एक बजे पहुंचकर कई कार्यक्रमों में भाग लेंगें और दोपहर बाद तातापानी महोत्सव का मुख्यमंत्री विष्णु देव साय शुभारंभ करेंगे। वह तातापानी में पहुंच कर सर्वप्रथम तपेश्वर महादेव मंदिर में पूजा-अर्चना करेंगे. मंदिर प्रांगण में स्थित शिव की विशाल प्रतिमा का अवलोकन करने के पश्चात बच्चों के साथ पतंग उड़ाएंगे। इस दौरान वह बलरामपुर-रामानुजगंज जिले को 667 करोड़ रुपए से अधिक की सौगात देंगे। मुख्यमंत्री 211 विकास कार्य का लोकार्पण एवं शिलान्यास करेंगे। इसके अलावा सीएम साय मुख्यमंत्री कन्या विवाह के तहत 200 जोड़ों को आशीर्वाद देंगे। शासन की योजनाओं के लगे स्टालों का निरीक्षण करेंगे। मंचीय के कार्यक्रम के तहत जनसभा को संबोधित करेंगे। इसके अलावा स्कूली छात्र-छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। मुख्यमंत्री साय कलश यात्रा और महादेव मंदिर में पूजा अर्चना करेंगे। शिव प्रतिमा का अवलोकन करेंगे। वहीं बच्चों के साथ पतंग भी उड़ाएंगे। इसके अलावा मुख्यमंत्री कन्या विवाह आशीर्वाद समारोह में भी शामिल होंगे।मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर सुरक्षा की पुख्ता इंतजाम किए गए हैं।

मणिपुर में केवाईकेएल (सोरेपा) के तीन कैडर गिरफ्तार

इंफाल : मणिपुर पुलिस ने मंगलवार को इंफाल वेस्ट जिले के विभिन्न क्षेत्रों से प्रतिबंधित संगठन केवाईकेएल (सोरेपा) के तीन कैडरों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान केथेलकपम तेलहेइबा मंगांग उर्फ थोइबा उर्फ लाम्यानबा (23), कोंथौजम गुड्डी मैतेई उर्फ फिरेपा (23) और लैशराम इचन देवी उर्फ संगीता (30) के रूप में हुई है। पुलिस ने आज बताया कि केथेलकपम तेलहेइबा मंगांग को कंगाबाम लेइकाई से, कोंथौजम गुड्डी मैतेई को क्वाकेथेल थोकचोम लेइकाई से तथा लैशराम इचन देवी को क्वाकेथेल बाजार से गिरफ्तार किया गया। ये सभी आरोपित संगठन की गतिविधियों में सक्रिय रूप से संलिप्त थे। गिरफ्तार कैडरों के कब्जे से तीन मोबाइल फोन, चार सिम कार्ड, छह हजार रुपये नकद तथा एक यामाहा मोटरसाइकिल बरामद की गई है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपित घाटी जिलों में नए कैडरों की भर्ती, जबरन वसूली तथा अपने संगठन को लॉजिस्टिक सहायता प्रदान करने में शामिल थे। पुलिस मामले की आगे की जांच कर रही है।

चुनाव के लिए बेस्ट की अतिरिक्त बसें

मुंबई : बीएमसी चुनाव 15 जनवरी 2026 को होने वाले हैं। चुनाव प्रक्रिया को सुचारू रूप से संपन्न कराने के लिए 14 और 15 जनवरी 2026 को बेस्ट उपक्रम की कई बसों को चुनावी कार्य के लिए आरक्षित किया गया है। मुंबई मनपा से मिली जानकारी के अनुसार इन दो दिनों में मध्यवर्ती चुनाव केंद्रों से लेकर प्रत्यक्ष मतदान केंद्रों तक चुनाव कर्मचारियों, मतदान सामग्री और अन्य आवश्यक संसाधनों के लाने और ले जाने के लिए बेस्ट बसों का उपयोग किया जाएगा। इसके चलते शहर के कुछ मार्गों पर सामान्य यात्रियों को बस सेवाओं में अस्थायी बदलाव और देरी का सामना करना पड़ सकता है। मनपा अधिकारियों ने बताया कि 14 जनवरी की रात और 15 जनवरी की सुबह से लेकर रात तक, भीड़भाड़ वाले मार्गों पर अतिरिक्त फेरे लगाए जाएंगे। ताकि यात्रियों को कम असुविधा हो। नागरिकों से अपील की गई है कि वे यात्रा की योजना पहले से बनाएं और वैकल्पिक मार्गों व समय का ध्यान रखें। मनपा अधिकारियों के अनुसार बसों के चुनावी कार्य में लगाए जाने के कारण कुछ बस मार्गों पर भीड़ बढ़ने और प्रतीक्षा समय अधिक होने की संभावना है। इसे ध्यान में रखते हुए बेस्ट प्रशासन ने यात्रियों की सुविधा के लिए अतिरिक्त बसें चलाने का निर्णय लिया है।

फर्जी वोटरों के खिलाफ ठाकरे बंधुओं की भगवा ब्रिगेड

मुंबई : मुंबई मनपा चुनाव में ठाकरे बंधुओं ने गड़बड़ी की आशंका जताते हुए फर्जी वोटिंग, डुप्लीकेट वोटरों को रोकने के लिए एक्शन प्लान तैयार किया है। वोट चोरी को रोकने के लिए 'भगवा ब्रिगेड' को मैदान में उतारा गया है। चेतावनी दी गई है कि यदि फर्जी वोटर मिले तो उनकी खैर नहीं होगी। मनपा चुनाव में शिवसेना (यूबीटी) व मनसे गठबंधन और भाजपा व शिवसेना (शिंदे गुट) महायुति के बीच कड़ा मुकाबला देखा जा रहा है। ठाकरे बंधुओं को संदेह है कि 15 जनवरी को वोटिंग के दिन गड़बड़ी हो सकती है। इसलिए दोनों दलों ने भगवा ब्रिगेड को मैदान में उतारा है। ये भगवा गार्ड पोलिंग स्टेशनों पर तैनात किए जाएंगे। वे संदिग्ध डबल और फर्जी वोटरों पर पैनी नजर ?खेंगे। वे फर्जी वोटरों को वोट देने से रोकेंगे। इसके लिए 2,000 कार्यकताओं को विशेष ट्रेनिंग दी गई है। शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राऊत ने कहा कि दोनों पार्टियों ने मिलकर फ्लाइंग स्क्वॉड बनाया है. अगर कोई डबल वोटर दिखे, तो लोगों को इस टीम को बताना चाहिए। इसके बाद वे आकर उसे ठीक करेंगे। मनसे नेता अमित ठाकरे ने कहा कि फर्जी वोटरों को रोकने की जिम्मेदारी राज्य निर्वाचन आयोग की है। यदि मतदान के दिन फर्जी या डबल वोटर दिखे तो उनकी खैर नहीं होगी। उन्हें दौड़ा-दौड़ा कर पीटा जाएगा।

भाजपा का मराठी प्रेम दिखावा : अतुल

मुंबई : कांग्रेस पार्टी के मुख्य प्रदेश प्रवक्ता अतुल लोंढे ने भाजपा के मराठी प्रेम को दिखावा बताया है। उन्होंने आरोप लगाया है कि नागपुर मनपा चुनाव के लिए भाजपा ने मराठी में मैनिफेस्टो जारी न करके मराठी लोगों का अपमान किया है। लोंढे ने कहा कि कांग्रेस ने लोगों के सवालों पर आधारित एक जन-केंद्रित मैनिफेस्टो मराठी और हिंदी दोनों में जारी किया है। कांग्रेस के पास छिपाने के लिए कुछ नहीं है। हमारा मैनिफेस्टो पारदर्शी, साफ और लोगों के हित में है। लोंढे ने कहा कि मुख्यमंत्री नागपुर से हैं. लेकिन भाजपा ने मराठी भाषा को नजरअंदाज करके मराठी पहचान का अपमान किया है। भाजपा मराठी में मैनिफेस्टो जारी करने से इसलिए भाग रही है क्योंकि उसमें लोगों के सामने अपनी बात रखने की हिम्मत नहीं है। यह सिर्फ लापरवाही नहीं, बल्कि जिम्मेदारी से भागने की कायरतापूर्ण कोशिश है। अब बीजेपी के घमंड, नाकामी और मराठी विरोधी रवैये को सबक सिखाने का वक्त आ गया है।

85 लाख वोटरों तक पहुंची वोटर सूचना पर्चियां

मुंबई : मुंबई मनपा का चुनाव गुरुवार 15 जनवरी को होगा। मतदान प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए बीएमसी प्रशासन ने बड़े पैमाने पर मतदाता सूचना पर्चियों का वितरण किया है। अब तक करीब 85 लाख मतदाताओं तक वोटर इंफॉर्मेशन स्लिप पहुंचाई जा चुकी है, जबकि शेष 15 लाख मतदाताओं के लिए यह पर्चियां सीधे मतदान केंद्रों पर उपलब्ध कराई जाएगी। इन सूचना पर्चियों में मतदाता का नाम, पता, मतदाता सूची में क्रमांक, मतदान केंद्र का नाम और कक्ष संख्या जैसी अहम जानकारियां शामिल हैं, जिससे मतदान के दिन किसी प्रकार की असुविधा न हो। यह वितरण कार्य घनकचरा प्रबंधन विभाग के माध्यम से तय समय-सीमा में घर-घर किया गया है। इस पूरी प्रक्रिया में कुल 6,701 कर्मचारियों को तैनात किया गया है। इनमें बीएमसी कर्मचारी, स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधि, आशा कार्यकर्ता और बूथ लेवल अधिकारी शामिल हैं। चुनाव के दौरान स्वच्छता सुनिश्चित करने के लिए शहर के सभी 10,231 मतदान केंद्रों पर व्यापक सफाई अभियान चलाया जा रहा है। मतदाताओं और कर्मचारियों की सुविधा के लिए 4,000 से अधिक पोर्टेबल और मोबाइल शौचालयों की व्यवस्था की गई है।

देव डोलियों के साथ मकर संक्रांति पर उत्तरकाशी में गंगा स्नान, भक्तिमय हुआ माहौल

उत्तरकाशी : मकर संक्रांति के अवसर पर कड़ाके की ठंड के बावजूद उत्तरकाशी के गंगा घाटों में बुधवार को ब्रह्म मुहूर्त से ही हजारों श्रद्धालुओं ने भागीरथी गंगा में स्नान कर पर्व मनाया। तड़के चार बजे से पौराणिक मणिकर्णिका घाट, लक्षेश्वर, शंकर मठ, नाकुरी, देवीधार, गंगोरी अस्सी गंगा तट सहित अन्य स्नान घाटों पर श्रद्धालुओं का पहुंचना शुरू हो गया था।

ऑनलाइन गेम की लत में बेटे ने बेरहमी से की पिता की हत्या

संवाददाता

सरायकेला: जिला से एक रूह कंपा देने वाली घटना सामने आई है। यहां गम्हरिया थाना क्षेत्र के टायो कॉलोनी में एक बेटे ने अपने ही पिता की नृशंस हत्या कर दी। ये घटना मंगलवार की है, जिसने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी है। आरोपी बेटा ऑनलाइन मोबाइल गेम की लत का शिकार था, जिसके कारण उसका मानसिक संतुलन पूरी तरह बिगड़ चुका था। मृतक की पहचान 55 वर्षीय रामा नाथ दास के रूप में हुई है, जो टीजीएस के कर्मचारी थे और हाल ही में उन्होंने ईएसएस लिया था।

मंगलवार को पुत्र मनसा दास ने घर में रखी दावली (धारदार हथियार) से अपने पिता पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। हत्या इतनी क्रूर थी कि आरोपी ने पिता के सिर और शरीर के अन्य हिस्सों के साथ-साथ उनके गुप्तांग को भी काट डाला। मौके पर मौजूद दृश्य इतना भयावह था कि उसे देखकर पुलिसकर्मियों के भी रोंगटे खड़े हो गए। हत्या के बाद शव के पास ही बैठा रहा आरोपीः इस जघन्य अपराध को अंजाम देने के बाद मनसा दास कहीं भागा नहीं, बल्कि अपने पिता के क्षत-विक्षत शव के पास ही बैठा रहा। बाद में जब पुलिस मौके पर पहुंची, तो उसने बिना किसी प्रतिरोध के पुलिस द्वारा गिरफ्तार कर लिया गया। सूचना मिलने पर एसडीपीओ समीर कुमार सवैया दल-बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और मामले की छानबीन शुरू की।

गेमिंग की लत ने छीना युवक का विवेकः एसडीपीओ समीर कुमार सवैया के अनुसार, मनसा दास लंबे समय से मोबाइल गेमिंग का आदी था और अक्सर अकेला रहना पसंद करता था। गेमिंग के जुनून का असर उसके मानसिक स्वास्थ्य पर इस कदर था कि तीन साल पहले भी उसने छत से कूदकर आत्महत्या का प्रयास किया था। घर की स्थिति भी काफी तनावपूर्ण थी। मृतक की पत्नी का पहले ही देहांत हो चुका था और पुत्रवधू भी पारिवारिक विवाद के कारण अलग रह रही थी। फिलहाल पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और हत्या के अन्य संभावित कारणों की तलाश में जुटी है।

जमशेदपुर के बड़े उद्योगपति का बेटा रहस्यमय ढंग से लापता, लावारिस हालत में मिली कार

परिजनों ने जताई अपहरण की आशंका

संवाददाता

सरायकेलाः जमशेदपुर के आदित्यपुर औद्योगिक क्षेत्र के उद्यमी और 'एम्पायर ऑटो' संचालक देवांग चंद्र गांधी के 25 वर्षीय पुत्र कैरव गांधी रहस्यमय ढंग से लापता हो गया है। परिजनों ने अपहरण की आशंका जताते हुए पुलिस से तत्काल कार्रवाई की गुहार लगाई है। उन्होंने पुलिस प्रशासन से जल्द से जल्द कैरव गांधी की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने मांग की है।

मिली जानकारी के अनुसार, जमशेदपुर के बिष्टुपुर थाना क्षेत्र के सर्किट हाउस इलाके में रहने वाले कैरव गांधी मंगलवार दोपहर अपनी सफेद क्रेटा कार (खल05एइ 2161) से आदित्यपुर में अपनी कंपनी जाने के लिए घर से निकले थे। जब काफी देर तक वह ऑफिस नहीं पहुंचा और उनका मोबाइल फोन बंद आने लगा तो परिजनों ने खोजबीन शुरू की।

घटनास्थल से मिली लावारिस कार : जब कैरव के बारे में कोई जानकारी नहीं मिली, तो उद्योगपति देवांग गांधी ने बिष्टुपुर थाने को मामले की जानकारी दी। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए जांच शुरू की और सर्विलांस का सहारा लिया गया। इस दौरान देर शाम को चांडिल पुलिस स्टेशन इलाके में ठल-33 पर 'सिल्वर सैंड रिसॉर्ट' के पास कैरव की कार लावारिस हालत में मिली।

पुलिस ने कार जब्त कर लिया है। बिष्टुपुर पुलिस के साथ मामले का अनुसंधान किया जा रहा है। गाड़ी का वहां मिलना और कैरव का सुराग न मिलना मामले को और भी संदिग्ध बना रहा है- डील्सन बिरुवा, चांडिल थाना प्रभारी ?

पुलिस ने शहर के विभिन्न रूटों और बिष्टुपुर क्षेत्र के सीसीटीवी फुटेज खंगाले हैं, जिसमें कैरव सामान्य रूप से गाड़ी चलाते हुए दिखाई दे रहे हैं। फिलहाल, जमशेदपुर और सरायकेला जिले की पुलिस आपसी तालमेल से इस हाई-प्रोफाइल मामले की गुत्थी सुलझाने में जुटी है।

पिता देवांग गांधी ने पुलिस को बताया कि मंगलवार उनका बेटा घर से फैक्ट्री गया था, लेकिन वे वहां पहुंचा ही नहीं। जब उन्होंने बेटे को फोन किया तो उसका फोन स्विच ऑफ था। देर शाम तक कोई संपर्क नहीं होने पर पुलिस को इसकी जानकारी दी गई। पुलिस को कैरव गांधी के मोबाइल का अंतिम लोकेशन जमशेदपुर के सोनारी आदर्श नगर के पास मिला है।

नाइजर से अपहृत प्रवासी मजदूर लौटे अपने घर, विधायक ने किया स्वागत

विधायक ने सभी को 5-5 लाख रुपए का काम देने की बात कही

गिरिडीहः अपराधियों के चंगुल से छूटकर वापस लौटे मजदूरों को बगोदर विधायक नागेंद्र महतो विकास योजनाओं का लाभ देंगे। जिससे कि उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत हो सके। विधायक ने यह घोषणा मंगलवार को मजदूरों के समक्ष की है। नाइजर में अपहृत बगोदर के पांचों प्रवासी मजदूर अपराधियों के चंगुल से साढ़े आठ महीने के बाद मुक्त हुए हैं। सभी मजदूरों की वापसी भी हो गई है। वापस लौटे मजदूरों ने अपहरण की कहानी बगोदर विधायक नागेंद्र महतो को अपनी जुबानी सुनाई है।

विधायक ने घटना को दुखद बताते हुए कहा कि आप लोगों की सकुशल वापसी होना इलाके के लिए खुशी की बात है। उन्होंने मजदूरों को आर्थिक रूप से सहयोग किए जाने की बात कही है। उन्होंने विधायक निधि से 5 मजदूरों को 5-5 लाख की

योजनाएं देने की घोषणा की है। उन्होंने कहा है कि विधायक के नाते आप लोगों की रिहाई के लिए मुझसे जो भी संभव हुआ मैंने किया। अब जब आप लोगों की वापसी हो गई है तो योजनाएं देकर आप लोगों को आर्थिक सहयोग कर सकते हैं। सड़क, नाली, गली, तालाब निर्माण आदि जो भी योजनाएं चाहिए, उसे मैं दूंगा। योजनाओं के तहत निर्माण कार्य कराकर दो पैसे की बचत हो सकती है। नाइजर से लौटे प्रवासी मजदूरों का विधायक ने किया स्वागतः नाइजर से लौटे प्रवासी मजदूरों का बगोदर विधायक नागेंद्र महतो ने स्वागत किया है। इसे लेकर दोंदलो पंचायत भवन में मुखिया तुलसी महतो की अगुआई में स्वागत समारोह का आयोजन किया गया था। जिसमें पांचों प्रवासी मजदूर और उनके परिजन शामिल हुए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बगोदर विधायक नागेंद्र महतो उपस्थित थे। मजदूरों का उन्होंने फूलमाला पहनाकर स्वागत करते हुए लड्डू खिलाकर मुंह भी मीठा कराया। इस बीच मजदूरों ने विधायक के प्रति आभार जताया। मौके पर विधायक ने कहा कि आप लोगों की अपहरण की खबर की सूचना मिलने पर उन्होंने विदेश मंत्री और केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी को पत्र लिखकर पूरे मामले से अवगत कराते हुए सकुशल रिहाई और वतन वापसी की मांग की थी। उन्होंने कहा कि वे खुद तीन बार दिल्ली जाकर संबंधित मंत्रियों और अधिकारियों से मुलाकात की थी। विधायक ने कहा कि प्रवासी मजदूरों की सकुशल रिहाई और वापसी के लिए प्रयास करने वाले तमाम लोग धन्यवाद के पात्र हैं।बता दें कि बगोदर के पांच प्रवासी मजदूर उतम महतो, चंद्रिका महतो, फलजीत महतो, राजू महतो औक संजय महतो का अपराधियों ने 25 अप्रैल 2025 को नाइजर में अपहरण कर लिया था। मजदूरों का किया गया रजिस्ट्रेशनः नाइजर से लौटे प्रवासी मजदूरों का श्रम विभाग द्वारा मंगलवार को रजिस्ट्रेशन किया गया। श्रमिक मित्र मनोज कुमार ठाकुर द्वारा फिलहाल तीन मजदूरों का रजिस्ट्रेशन किया गया है। इसमें मुंडरो के उत्तम महतो, दोंदलो के राजू महतो और चंद्रिका महतो का रजिस्ट्रेशन किया गया है। शेष दो मजदूरों का भी बहुत जल्द रजिस्ट्रेशन किया जाएगा। प्रवासी मजदूरों का रजिस्ट्रेशन होने से सरकारी स्तर पर मिलने वाले सहयोग के बारे में श्रमिक मित्र ने उपस्थित लोगों को विस्तार से बताया। साथ ही प्रवास करने वाले तमाम मजदूरों को रजिस्ट्रेशन कराने की अपील की है।

बोकारो पुलिस ने 5 चोर को किया गिरफ्तार, लाखों की बैटरी बरामद

दर्जनों बैटरी के साथ पांच चोर गिरफ्तार

बोकारोः बालीडीह थाना पुलिस ने गाड़ी और टावर से बैटरी चोरी करने वाले गिरोह को पकड़ने में कामयाबी पाई है। इस चोर गिरोह के पास से 46 बैटरी को बरामद किया गया है। जिसका बाजार मूल्य लाखों में है। चोरी में इस्तेमाल किया जाने वाला टोटो और बाइक के साथ कटर मोबाइल सहित अन्य सामान बरामद किया गया है। पुलिस ने पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। जिसमें चार चोर और एक खरीदार शामिल है।

एसपी हरविंदर सिंह ने बताया कि इस गिरोह का मास्टरमाइंड धीरज कुमार वर्मा है, जो चार लोगों के साथ मिलकर इस घटना को अंजाम दे रहा था। गिरोह ने बालीडीह थाना क्षेत्र में दो, सेक्टर-12 थाना क्षेत्र में तीन, पिंड्राजोरा थाना क्षेत्र में एक और

बीएस सिटी थाना क्षेत्र में एक चोरी की घटना को अंजाम दिया था। चोरों ने खासकर मोबाइल टावर को सॉफ्ट टारगेट में लिया था। इन टावरों से इन्हें एक एकमुस्त कई बैटरी एक साथ मिल जाते थे। टावर के बैटरी की चोरी से आमलोगों को होती थी परेशानीः टावर लाइन की बैटरी चोरी होने से आम आदमी को नेटवर्क की समस्या से जूझना पड़ता था। गिरफ्तार चोरों में धीरज कुमार वर्मा, प्रथम कुमार और रोशन कुमार सोनाटांड़ का रहने वाला है। जबकि पीयूष कुमार राजेंद्र नगर का रहने वाला है। वहीं खरीदार महेश कुमार महतो जरीडीह थाना क्षेत्र के जैनामोड़ का रहने वाला है। एसपी ने बताया कि इस गिरोह के पकड़े जाने से चोरी की घटनाओं में कमी आएगी।

उपायुक्त के निर्देश पर सिकल सेल एनीमिया पीड़ित बालक की कि जा रही चिकित्सीय जांच

सिमडेगाः बानो प्रखंड अंतर्गत डाडिंग पर्यटन स्थल भ्रमण के दौरान सिमडेगा उपायुक्त कंचन सिंह की मुलाकात सिकल सेल एनीमिया पीड़ित बालक देवानंद से हुई थी। इस दौरान वाहन के बोनट पर देवानंद की ली गई तस्वीर वाले बालक देवानंद से की गई बातचीत से उपायुक्त को उसके सिकल सेल अनीमिया का पता चला जिससे वे भावुक हो गईं और उसके समुचित ईलाज व हरसंभव सहयोग का निर्देश प्रखंड विकास पदाधिकारी, बानो नईमुद्दीन अंसारी को दिया था। उपायुक्त महोदया के निर्देश के आलोक में प्रखंड विकास पदाधिकारी,बानो नईमुद्दीन अंसारी के आदेश पर प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी बानो, डॉ मनोरंजन कुमार द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से वाहन भेजकर बालक देवानंद एवं उनके पिता अर्जुन को बानो सीएचसी लाया गया।जहां डॉ। मनोरंजन कुमार द्वारा बालक की चिकित्सीय जांच की गई, जिसमें उसकी वर्तमान स्थिति सामान्य पाई गई। जांच के उपरांत बालक को आवश्यक दवाइयाँ उपलब्ध कराई गईं ।साथ ही डॉ। मनोरंजन कुमार द्वारा बालक के पिता को सीएचसी के माध्यम से बेहतर इलाज की सुविधा उपलब्ध कराने की जानकारी दी गई। बालक के पिता अर्जुन ने बताया कि बाजार दिवस होने के कारण वह आज प्रखंड विकास पदाधिकारी से मुलाकात नहीं कर सके। उन्होंने कहा कि आगामी सोमवार को पुनः देवानंद को लेकर प्रखंड कार्यालय आएंगे, जहां सिकल सेल एनीमिया की अद्यतन स्थिति के आकलन हेतु आवश्यक एल एफ टी,आर एफ टी सहित अन्य जांच कराई जाएगी। साथ ही बच्चे की घर पर पढ़ाई के लिए आवश्यक पठन -पाठन सामग्री भी प्राप्त की जाएगी।

मनरेगा में फर्जीवाड़ा को लेकर ओपीओ चारू प्रसाद मांझी एवं जीआरएस केदार नाग की संविदा रद्द

सिमडेगाः राज्य स्तर से चारु प्रसाद मांझी, प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी, बानो के विरुद्ध शिकायत के आलोक में जिला भू - अर्जन पदाधिकारी, सिमडेगा -सह- वरीय पदाधिकारी बानो प्रखंड द्वारा उक्त मामले की जांच की गई। जांच के दौरान उक्त मामला सही पाया गया। जिसके आलोक में चारु प्रसाद मांझी, प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी, बानो एवं केदार नाग, ग्राम रोजगार सेवक, पंचायत गेनमेर, प्रखंड बानो की संविदा समाप्त करते हुए कानूनी कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया।

चतरा के तिलकुट की मिठास : सरहदों के पार जा रही महक, उड़ीसा और राउरकेला तक डिमांड

- कभी बाहर से आता था तिलकुट, आज चतरा से दूसरे राज्यों में भेजी जा रही मिठास
- पलायन पर 'तिलकुट' का प्रहार, रांची जाने वाले कारीगरों को अब अपने ही शहर में मिल रहा रोजगार, स्थानीय अर्थव्यवस्था को मिली मजबूती

संवाददाता

चतराः मकरसंक्रांति पर चतरा के तिलकुट की सोंधी मिठास सरहदों के पार जा रही है। मकर संक्रांति से पहले बाजारों में रौनक दिख रही है। पहले यहां बाहर से भेजी जाती थी तिलकुट। आज चतरा के तिलकुट की उड़िसा और राउरकेला तक डिमांड है।यहां 240 से 300 रूपये तक उपलब्ध है शुद्ध तिलकुट। गुड़ और चीनी की वैरायटी ने ग्राहकों का दिल जीत लिया है। जिले के बाजारों में इन दिनों एक अलग ही फिजा है। यह फिजा है– सोंधेपन की, परंपरा की और उस मिठास की जो सीधे आपके दिल तक पहुँचती है। मकर संक्रांति का पावन त्योहार नजदीक है और चतरा की सड़कों पर कदम रखते ही तिल और गुड़ के मिलन की खुशबू आपका स्वागत करती है। क्या आप जानते हैं कि जो चतरा कभी तिलकुट के लिए दूसरे शहरों पर निर्भर था, आज वही चतरा उड़ीसा और राउरकेला जैसे बड़े शहरों का मुंह मीठा कर रहा है? आज की हमारी इस विशेष रिपोर्ट में हम आपको दिखाएंगे कि कैसे चतरा का तिलकुट उद्योग न केवल त्यौहार की रौनक बढ़ा रहा है, बल्कि स्थानीय युवाओं के लिए 'आत्मनिर्भरता' की नई मिसाल पेश कर रहा है। चतरा शहर के

बाजारों में इन दिनों पैर रखते ही नाक में एक ऐसी सोंधी महक घुल जाती है, जो किसी का भी मन अपनी ओर खींच ले। यह महक चतरा के मशहूर तिलकुट की है। मकर संक्रांति से पहले ही यहाँ के कारीगर दिन-रात मिठास गढ़ने में जुटे हुए हैं। दुकानों पर सजे तिलकुट के पहाड़ और गुड़-तिलवा की महक ने बता दिया है कि त्योहार की तैयारी पूरी हो चुकी है। चतरा के स्टालों पर अब केवल स्थानीय लोग ही नहीं, बल्कि राहगीर भी रुककर इस मिठास का लुत्फ उठा रहे हैं। तिलकुट व्यवसायी मनीष कुमार चतरा तिलकुट भंडार बताते हैं कि चतरा के व्यापारिक इतिहास में एक बड़ा बदलाव आया है। वे कहते हैं, ₹पहले हम लोग बाहर के शहरों से तिलकुट मंगाकर बेचते थे, लेकिन आज स्थिति उलट है। अब चतरा से तिलकुट बाहर के शहरों में भेजा जा रहा है। मनीष कुमार के अनुसार, उनके यहाँ बने तिलकुट की भारी डिमांड न केवल चतरा के हर प्रखंड में है, बल्कि झारखंड के विभिन्न जिलों सहित उड़ीसा, राउरकेला और हजारीबाग तक यहाँ से खेप भेजी जा रही है। यह चतरा के लिए गौरव की बात है कि यहाँ का स्वाद अब सरहदों के पार अपनी पहचान बना रहा है। इस उद्योग ने 'पलायन' के जख्म पर मरहम लगाने का काम किया है। कारीगर की कहानी इसकी गवाह है। सबताते हैं कि पहले वे मकर संक्रांति के सीजन में काम की तलाश में रांची जैसे बड़े शहरों में जाया करते थे। लेकिन अब उन्हें और उनके जैसे दर्जनों साथियों को चतरा में ही काम मिल गया है। अब हमारे ही क्षेत्र में तिलकुट का बड़े पैमाने पर निर्माण हो रहा है। अच्छी बिक्री होने के कारण हमें अपने शहर में ही सम्मानजनक रोजगार मिल रहा है, यह 'रिवर्स माइग्रेशन' चतरा की बदलती तस्वीर का सबसे सुखद पहलू है।चतरा के बाजारों में तिलकुट की कई किस्में उपलब्ध हैं। मुख्य रूप से चीनी, गुड़ और खोया से तैयार ये तिलकुट शुद्धता की कसौटी पर खरे उतर रहे हैं। कीमत की बात करें, तो यह 240 रुपये प्रति किलो से शुरू होकर 300 रुपये प्रति किलो तक बिक रहा है। इसके साथ ही तिल-गुड़ के लड्डू, गजक, सोंधी रेवड़ी और 'तिलवा' की भी जबरदस्त मांग है। दुकानदार बताते हैं कि गुड़ से बने उत्पादों की मांग इस बार स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता के कारण अधिक देखी जा रही है। सनातन धर्म में मकर संक्रांति का त्यौहार दान और प्रसाद का पर्व है। इस दिन चूड़ा, दही और तिलकुट का प्रसाद ग्रहण करने की सदियों पुरानी परंपरा है। इसी आस्था को पूरा करने के लिए चतरा के बाजारों में अभी से ही रौनक छाई हुई है। तिलकुट की यह सोंधी खुशबू केवल एक खाद्य पदार्थ की महक नहीं है, बल्कि यह चतरा के बढ़ते कदमों और समृद्ध होती परंपरा की गूँज है। तो अगर आप भी इस मकर संक्रांति पर शुद्धता और स्वाद की तलाश में हैं, तो चतरा के ये बाजार आपका इंतजार कर रहे हैं। यहाँ का तिलकुट न केवल आपका मुंह मीठा करेगा, बल्कि उस मेहनत की भी कहानी कहेगा जो एक कारीगर ने अपने शहर में रहकर लिखी है। उम्मीद है कि चतरा की यह सोंधी खुशबू पूरे झारखंड और देश में इसी तरह फैलती रहेगी। चतरा जिला में मुकेश किराना स्टोर के मालिक ने बताया कि तिलकुट बहुत ही अच्छा है।